हिन्दी दैनिक

जोहार

प्रत्यूष नवबिहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची ● बुधवार ● 16.10.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 85 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया वैश्विक डिजिटल नियमों और नैतिक एआई पर जोर

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के नैतिक उपयोग के लिए एक वैश्विक ढांचा तैयार करने की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि वैश्विक संस्थाओं के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक ढांचे और वैश्विक शासन के लिए वैश्विक दिशा-निर्देशों के महत्व को स्वीकार करने का समय आ गया है। आपस में जुड़ी दुनिया में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ-विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (डब्ल्यूटीएसए) 2024 का उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 8वें संस्करण का भी उद्घाटन किया और इस अवसर पर प्रदर्शित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक ढांचा स्थापित करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विषय को भारत ने अपने जी-20 प्रेसीडेंसी के दौरान उठाया था और वैश्विक संस्थाओं से वैश्विक शासन के लिए इसके महत्व को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वैश्विक संस्थाओं के लिए वैश्विक शासन के महत्व को स्वीकार करने का समय आ गया है।

वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी के लिए 'क्या करें और क्या न करें' बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए, प्रधानमंत्री ने डिजिटल उपकरणों और अनुप्रयोगों की सीमाहीन प्रकृति

पर प्रकाश डाला और साइबर खतरों से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक संस्थाओं द्वारा सामूहिक कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने विमानन क्षेत्र के साथ समानताएं बताईं, जिसके पास पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित ढांचे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने डब्ल्यूटीएसए से एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और दूरसंचार के लिए सुरक्षित चैनल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, एक-दूसरे से जुड़ी दुनिया में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का डेटा संरक्षण अधिनियम और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने सभा के सदस्यों से ऐसे मानक बनाने का आग्रह किया जो समावेशी, सुरक्षित और भविष्य की चुनौतियों के अनुकूल हों, जिनमें नैतिक एआई और डेटा गोपनीयता मानक शामिल हों जो राष्ट्रों की विविधता का सम्मान करते हों।

प्रधानमंत्री ने मौजूदा तकनीकी क्रांति में मानव-केंद्रित आयाम की आवश्यकता पर जोर दिया और जिम्मेदार और टिकाऊ नवाचार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज तय किए गए मानक भविष्य की दिशा तय करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षा, सम्मान और समानता के सिद्धांत हमारी चचाओं के केंद्र में होने चाहिए। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि कोई भी देश, कोई भी क्षेत्र और कोई भी समुदाय इस डिजिटल परिवर्तन में पीछे न छूट जाए और उन्होंने समावेशन के साथ संतुलित नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भविष्य तकनीकी रूप से मजबूत होने के साथ-साथ नवाचार और समावेशन के साथ नैतिक रूप से भी मजबूत हो।

निर्वाचन आयोग ने किया विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान, आदर्श आचार संहिता लागू

झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे चुनाव, मतगणना 23 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि झारखंड में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण 13 नवबंर और दूसरा 20 नवंबर को होगा। पहले चरण में 43 और दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने बताया है कि चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 18 और दूसरे चरण की 22 अक्टूबर को जारी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी। शहरी क्षोत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्रथमिकता सूची में है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

कुल 81 सीटों पर होंगे चुनाव

झारखंड में 81 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। इसमें सामान्य 44, एसटी 28 और एससी 9 सीटें हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव में 2.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसमें 1.29 करोड़ महिला और 1.31 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या 11.84 लाख है। झारखंड में 20281 क्षेत्रों में 29562 पोलिंग स्टेशन बनेंगे। शहरी क्षेत्रों में 5042 और ग्रामीण क्षेत्रों में 24520 मतदान केंद्र होंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए भी 20 नवंबर को होगी वोटिंग

40 लाख से अधिक नहीं खर्च कर पाएंगे विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार

रांची : झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान हो गया है। झारखंड में 2 चरणों में चुनाव होंगे। इसकी जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी है। पहला चरण 13 नवंबर हो होगा। वहीं दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा। वहीं वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में कोइ भी उम्मीदवार प्रचार-प्रसार में 40 लाख से अधिक रुपये खर्च नहीं कर सकते हैं। बता दें कि झारखंड में कुल 24 जिलें हैं और 81 सीटें हैं। चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि यहां 2.60 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 11.84 लाख फर्स्ट टाइम वोटर हैं। 66.84 लाख युवा वोटर्स हैं। 1.29 करोड़ महिला वोटर्स हैं। 1.31 करोड़ पुरुष वोटर्स हैं। इसके साथ चुनाव आयोग ने ये भी बताया कि झारखंड में 29,562 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। झारखंड में पहले चरण की अधिसूचना 18 अक्तूबर को जारी होगी। जबकि नामांकन 25 अक्तूबर से शुरू होंगे। वहीं नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्तूबर को होगी। नाम वापसी 30 अक्तूबर को होगी। जबकि मतदान 13 नवंबर को होगा।

25 अक्टूबर से शुरू होगा नामांकन 30 तक वापस लिए जा सकेंगे नाम

रांची : चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। यहां 81 विधानसभा सीटों पर दो चरण में चुनाव होंगे। पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा। जबकि 23 नवंबर को मतगणना होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि झारखंड में पहले चरण की अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी होगी। जबकि नामांकन 25 अक्टूबर से शुरू होंगे। वहीं नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी 30 अक्टूबर को होगी। जबकि मतदान 13 नवंबर को होगा।

14 राज्यों की 48 विस और महाराष्ट्र व केरल की एक-एक लोस सीट पर भी उपचुनाव की घोषणा

नयी दिल्ली : चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र एवं झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और महाराष्ट्र एवं केरल की एक-एक लोकसभा सीटों पर उपचुनाव कार्यक्रमों की भी घोषणा की। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा, जबकि महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। सभी सीटों की मतगणना 23 नवंबर को होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ दिल्ली के विज्ञान भवन में पत्रकार वार्ता में चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की। इसके अनुसार 48 विधानसभा सीटों में से सर्वाधिक 9 सीटें उत्तर प्रदेश की हैं। इसके अलावा राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार एवं पंजाब की 4-4, कर्नाटक की 3, केरल, मध्य प्रदेश और सिक्किम की 2-2, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय और छत्तीसगढ़ की 1-1 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। आयोग के अनुसार 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों और केरल की वायनाड लोकसभा सीट के लिए बुधवार 13 नवंबर को मतदान होगा। इसके लिए अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी की जाएगी। नामांकन 25 अक्टूबर, नामांकन की जांच 28 अक्टूबर और नाम वापसी 30 अक्टूबर तक हो सकेगी। वहीं, उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट और महाराष्ट्र की नांडेड़ लोकसभा सीट के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। इनके लिए 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। 29 अक्टूबर तक नामांकन, 30 अक्टूबर को नामांकन की जांच, 4 नवंबर को नाम वापसी की अंतिम तारीख तय की गयी है।

झारखंड के पहले चरण की सीटें

- कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा, भवनाथपुर।

झारखंड के दूसरे चरण की सीटें

- राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पौड़ेयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली व खिजरी।

आचार संहिता से पहले चौकीदार पद के 151 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को डीएमएफटी भवन चतरा में किया गया। राज्य के उद्योग विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। समारोह में चतरा जिला अन्तर्गत सीधी भर्ती द्वारा नवनियुक्त चौकीदार के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। चतरा जिला में चौकीदार के 152 रिक्त पद का जिला स्तरीय आरक्षण रोस्टर का अनुमोदन आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग से कराते हुए मेधा सूची के अनुसार अनारक्षित कोटि में 108, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटि में 15, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग कोटि में 22 तथा पिछड़ा वर्ग कोटि में 07 अभ्यर्थी का चयन चौकीदार के पद के लिए किया गया। कुल चौकीदार पद के लिए चयनित 151 अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।

इस मौके पर मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा 200 यूनिट बिजली माफ करने का कार्य किया गया। आवासहीन को अबुआ आवास योजना से लाभान्वित करने का कार्य किया गया। आमजनों को कार्यालय व जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पंचायत व ग्राम स्तर पर शिविर लगाकर पात्रता रखने वाले लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने का कार्य किया गया। इसके अलावा उन्होंने कई विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने सभी चयनित नवनियुक्त चौकीदारों से कहा कि सभी लोगों को ढेरों बधाई, सेवा भाव के उद्देश्य से सभी को कार्य करना है।

इस मौके पर उपायुक्त रमेश घोलप, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज समेत अन्य सम्बंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एससी ने 'मुफ्त सौगातों' के खिलाफ याचिका पर केंद्र और आयोग से मांगा जवाब

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों का वादा करने के चलन के खिलाफ एक नयी याचिका पर केंद्र तथा निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बेंगलुरु निवासी शशांक जे. श्रीधारा की याचिका पर भारत सरकार तथा निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किए। वकील श्रीनिवास द्वारा दायर याचिका में निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों को चुनाव से पहले मुफ्त सौगातें देने के वादे करने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बेलगाम वादे सरकारी राजकोष पर बड़ा और बेहिसाबी वित्तीय बोझ डालते हैं। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि चुनाव पूर्व किए वादे पूरे किए जाएं। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले को इसी मुद्दे पर अन्य याचिकाओं से संबद्ध कर दिया। इससे पहले, न्यायालय चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करने के चलन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमत हो गया था।

8 जरूरी दवाओं की कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ीं

एजेंसी

नयी दिल्ली : नेशनल ड्रग प्राइसिंग अथॉरिटी ने 8 दवाईयों के 11 फॉर्मूलेशन के दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। इन दवाओं को बनाने की लागत में इजाफा होने के चलते यह फैसला लिया गया है। दवाओं के फॉर्मूलेशन की कीमतें बढ़ाने का फैसला स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने नेशनल ड्रग प्राइसिंग अथॉरिटी के साथ बैठक में लिए प्रतिशत तक बढ़ाए गए थे।

दवा कंपनियों को हो रहा था नुकसान

इन दवाइओं के मैक्सिमम रेट इतने कम थे कि इन्हें बनाने और

मार्केटिंग कनरे वाली कंपनियों को घाटा हो रहा था। इसकी वजह से कुछ कंपनियों ने तो इनकी मार्केटिंग तक बंद कर दी थी। इसके बाद कुछ कंपनियों ने एनपीपीए से इनकी मार्केटिंग बंद करने की भी अपील की थी। चूंकि ये काफी बुनियादी दवाईंया हैं, इसलिए इनकी सप्लाई काफी प्रभावित हुई और मरीजों के साथ डॉक्टरों को भी कई समस्याओं को सामना करना पड़ा।

इन दवाओं की कीमत बढ़ी

एनपीपीए ने जिन दवाओं के दाम बढ़ाए हैं, इनमें ग्लूकोमा, अस्थमा, टीबी, थैलेसीमिया और मेंटल हेल्थ के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाईयां शामिल हैं। इन दवाओं के जिन फॉर्मूलेशन का रेट बढ़ा है, उनमें बेंजिल पेनिसिलिन 10 लाख आईयू इंजेक्शन, सालबुटामोल टैबलेट 2 मिलीग्राम और 4 मिलीग्राम और रेस्पिरेटर सॉल्यूशन 5 मिलीग्राम/' शामिल हैं। इन दवाईयों का इस्तेमाल फर्स्ट लाइन ट्रीटमेंट के तौर पर होता है।

दवाओं का फॉर्मूलेशन क्या होता है

जिन फॉर्मूले से दवाईयां बनाई जाती हैं, उसे फॉर्मूलेशन कहा जाता है। दवाओं का फॉर्मूलेशन एक तरह की प्रक्रिया है, जिसमें दवाओं के अलग अलग कंपोनेंट मिलाकर एक खास तरह का कंपोनेंट बनाया जाता है, जो शरीर में सही तरीके से काम कर सकने वाली दवाओं की क्वालिटी और प्रभाव बढ़ाने में मदद करते हैं। दवा को टैबलेट, कैप्सूल सिरप या इंजेक्शन के तौर पर फॉर्मूलेशन किया जाता है।

100 करोड़ की हेराफेरी केस में एसआईटी ने कई लोगों से की पूछताछ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, (जेटीडीसी), झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड व झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खाते से करीब 100 करोड़ की हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस मामले में एसआईटी ने कई लोगों से पूछताछ की है। मंगलवार को कई लोगों से एटीएस ऑफिस में पूछताछ की गई। बीते दिनों इस मामले में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार कर भेज दिया गया।

100 करोड़ रुपये की निकासी का आरोप है

पकड़े गए सभी लोगों पर झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के खाते से 10.40 करोड़ रुपये, झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के खाते से 65.50 करोड़ रुपये और झारखंड उर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से 40.50 करोड़ रुपये की निकासी का आरोप है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा के नेतृत्व में गठित एसआईटी का गठन किया गया है। वहीं चार आरोपियों को जेल भी भेजा जा चुका है। झारखंड पर्यटन व विद्युत निगम के कुछ और अधिकारियों की संलिप्तता के बिंदु पर जांच चल रही है।

एक नजर

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में की साझेदारी

हजारीबाग : बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने जीवन बीमा योजनाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ दो नए प्लान्स : आई-गारंटी विश्वास, गारंटीड लाभ वाली एक बचत बीमा प्लान, और आई-इन्वेस्ट2, अक्टूबर 2024 से ये प्लान्स बिहार और झारखंड में बंधन बैंक की 181 शाखाओं पर उपलब्ध होंगे। बंधन बैंक के मौजूदा ग्राहक कुछ ही मिनटों में पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं यदि वे बीमा की शर्तों को पूरा करते हैं तो। आने वाले सप्ताहों में कई नए प्लान्स जैसे 'शुभ समृद्धि' और अन्य बचत प्लान्स को शामिल किए जाने के साथ प्लान्स के पोर्टफोलियो का और भी विस्तार किया जायेगा। बंधन लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, सतीशवर बी. ने कहा, यह साझेदारी हमारे बीमा प्लान्स को और अधिक सुलभ बनाने में हमारी मदद करेगी।

निबाव ने झारखंड में लॉन्च की एडवांस्ड सीरीज 4 होम लिफ्ट्स

हजारीबाग : भारत के सबसे बड़े होम एलीवेटर ब्रांड निबाव लिफ्ट्स ने घर के भीतर मोबिलिटी के गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराने के लिए, आधुनिक निबाव सीरीज 4 होम लिफ्ट्स लॉन्च की। निबाव सीरीज 4 लिफ्ट्स को एम्बिएन्ट लाइटिंग, न्यूजीलैण्ड वूल कारपेट, स्टारलाईट सीलिंग, लैदर फिनिश इंटीरियर के साथ बेहद स्टाइलिश रूप में डिजाइन किया गया है। पहला समारोह का आयोजन जमशेदपुर में ब्रांड के प्रमुख एक्सपीरियंस सेंटर में हुआ, जिसमें निबाव होम लिफ्ट्स के वरिष्ठ प्रबंधन ने भाग लिया। निबाव लिफ्ट्स के सीईओ एवं संस्थापक विमल बाबू ने कहा, ह्यह्यहमें गर्व है कि हम अपने नए इनोवेशन-निबाव सीरीज 4 होम लिफ्ट्स को जमशेदपुर के मार्केट में उतार रहे हैं। सुरक्षा के फीचर्स की दृष्टि से नए मानक स्थापित करते हुए निबाव लिफ्ट्स 4 में रैपिड रैस्क्यू लैच शामिल किया गया है।

आईसेक्ट विवि में एकदिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

हजारीबाग: आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में मंगलवार को राष्ट्रीय महिला किसान दिवस एवं विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इसकी शुरूआत मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ के वरीय वैज्ञानिक डॉ सुधांशु शेखर, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय वर्षाश्रित उपरी भूमि चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग के वैज्ञानिक डॉ विभास चंद्र वर्मा, आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा व कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार ने की। मुख्य अतिथि सुधांशु शेखर ने अपने संबोधन में कहा कि भोजन का अधिकार एक बुनियादी मानव अधिकार है। यह बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए अहम है। भूख के खिलाफ उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बीते एक दशक से भी अधिक समय से भूख के खिलाफ लड़ाई में प्रगति आई है। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर कुपोषित लोगों के अनुपात घटे हैं। इस दौरान डॉ शेखर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी भी मौजूद लोगों से साझा की। विशिष्ट अतिथि डॉ विभास चंद्र वर्मा ने भी भारत में कृषि की स्थिति, उसकी अहमियत और उन्नत तकनीक से कृषि कार्य के लाभ से लोगों को अवगत कराया। साथ ही जलसंरक्षण को भी अहम बताया और कहा कि जलसंरक्षण को लेकर भी बड़े पैमाने पर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

बरवाडीह में मेगालिथ पार्क समेत एक दर्जन योजना की अंबा प्रसाद ने रखी आधारशिला

चिरूडीह से हेसाबार व कौंसी से सेहदा सड़क निर्माण की भी मिली स्वीकृति : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद द्वारा पंकरी बरवाडीह में मेगालिथ पार्क समेत बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव में एक दर्जन योजना का विधिवत शिलान्यास किया। ऐतिहासिक पर्यटक स्थल मेगालिथ स्थल में अब भव्य पार्क बनेगा। जिससे प्रखंड वासियों को एक बेहतर वातावरण मिलेगा। पकरी बरवाडीह में सैंता साव के घर होते हुए कैला साव के घर तक पीसीसी पथ व नाली निर्माण, बड़कागांव सूर्य मंदिर से आराहरा तक 4 किलोमीटर पथ निर्माण, एनटीपीसी पथ चेपा खुर्द से चेपा कला तक 4 किलोमीटर पथ निर्माण, हरली शिव मंदिर से नापो कला होते हुए सतबहिनी पुल तक पथ निर्माण, डोकाटांड से बरबनिया होते हुए मलडी तक पथ निर्माण, हरली शिव मंदिर चौक से प्रदीप पासवान के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, नापोखुर्द में पूरन साहू के घर से चंद्रिका साहू के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, नापो खुर्द बरबनिया में मुख्य पथ गोविंद साव रामेश्वर साव के घर से झरना गोसाई राजू साव के घर तक पथ निर्माण का उद्घाटन, लुरूंगा से इंदरा तक 6.5 किमी पथ निर्माण, जुबला से चानो तक 6 किलोमीटर पथ निर्माण, महुदी मध्य विद्यालय से चुंबा गढ़ा तक पथ निर्माण शामिल हैं। विधायक अंबा प्रसाद के अथक प्रयास से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्राम चिरूडीह से हेसाबार तक 4.500 किमी सड़क निर्माण (लागत 5 करोड़ 80 लाख लगभग) व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से गोंदलपुरा पंचायत के ग्राम कौंसी से सेहदा तक 4.450 किमी सड़क निर्माण (लागत 7 करोड़ 60 लाख लगभग) की प्रशासनिक स्वीकृति ग्रामीण कार्य विभाग से प्राप्त हुई है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

राजस्व संग्रहण हेतु सभी अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : वित्तीय वर्ष 2024-25 के राजस्व संग्रहण हेतु प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय-कक्ष में प्रमंडलस्तरीय समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार के द्वारा की गई। बैठक में आयुक्त कुमार ने राज्य सरकार के द्वारा जिलावार निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अध्ययन राजस्व वसूली की जिलावार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत आने वाले किसी भी जिला परिवहन कार्यालय की राजस्व वसूली लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाई गई। जिसके अनुरूप आयुक्त ने निर्धारित राजस्व की प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कार्य योजना बनाई जाने की आवश्यकता महसूस करते हुए सभी अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने का निदेश दिया। बैठक के दौरान आयुक्त ने विशेषकर खनन क्षेत्र में नागालैंड के निबंधित वाहनों का प्रयोग, निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग, स्कूल में प्रयुक्त किये जा रहे वाहनों का परमिट प्राप्त नहीं किया जाना, अधिकृत सेकंड हैंड कार विक्रेताओं के द्वारा वाहनों के निबंधन में पहुंचाई जा रही राजस्व क्षति आदि जैसे अन्य संबंधित मामलों एवं बिंदुओं पर सघन जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। बैठक में विजय कुमार, उप परिवहन आयुक्त-सह-सचिव उत्तरी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, हजारीबाग, बैधनाथ कामती, जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग, शैलेश प्रियदर्शी, जिला परिवहन पदाधिकारी, गिरिडीह, मनीषा वत्स, जिला परिवहन पदाधिकारी, रामगढ़, इंद्र कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, चतरा, बीजय कुमार सोनी, जिला परिवहन पदाधिकारी, कोडरमा, एवं वंदना सेजवलकर, जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो आदि उपस्थित रहें।

विस चुनाव तिथि की घोषणा के साथ ही बरही में सरगर्मी हुई तेज, 13 नवंबर को होगा चुनाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दिया है। चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया है कि झारखंड में दो चरणों में चुनाव होगा। पहला चरण का चुनाव 13 नवंबर 2024 को होगा। दूसरा चरण का चुनाव 20 नवंबर 2024 को होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर 2024 को होनी है। बरही विधानसभा का चुनाव पहले चरण में होना है। विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद अब चुनाव की सरगर्मी भी परवान चढ़ने वाली है। राजनीतिक दल भी अब जल्द ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देंगे। विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में सरगर्मी तेज हो गई है। गांव की चौपाल हो या चौक-चौराहे, गली-मुहल्ले या चाय की दुकान और पान की घुमटी दो या दो से अधिक लोगों के जुटान होते ही विधानसभा चुनाव की चर्चा-परिचर्चा शुरू हो जा रहा है। वहीं मतदाता चौपाल, चाय की दुकान, चौक-चौराहा, दुकानों और गांव में बैठकर राजनीतिक समीकरण बनाने में मशगूल हैं। बरही विधानसभा में मुख्य मुकाबला भाजपा (एनडीए) और इंडिया महागठबंधन से जुड़े प्रत्याशियों के बाद अन्य उम्मीदवार से भी कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। बरही विधानसभा में किस पार्टी से कौन उम्मीदवार होगा परिणाम पर यह भी बहुत मायने रखेगा। बरही विधानसभा के अधिकतर मतदाता सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। जहां चुनाव को लेकर उनके अंदर अधिक उत्सुकता रहती है। वही मतदान की बात चौक-चौराहे, खेतों, चाय दुकान पर बैठने के दौरान खूब हो रही है।

छठ महापर्व पर हजारीबाग यूथ विंग का सराहनीय कदम, 11 रु में सूप व पूजन सामग्री का होगा वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में सामाजिक और धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने वाली हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा आगामी छठ महापर्व के शुभ अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, 4 नवंबर को बड़ा बाजार चौक पर किया जाएगा इस कार्यक्रम के जरिए श्रद्धालुओं को एक सूप तथा पूजन सामग्री प्रदान की जाएगी, इस कार्यक्रम का औपचारिक पोस्टर लॉन्चिंग मंगलवार को जिले की उपायुक्त नैंसी सहाय के द्वारा किया गया। संस्था के इस कदम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को छठ महापर्व की तैयारी में सहयोग प्रदान करना है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता संतोष सिंह भी मौजूद रहें। यह कार्यक्रम संस्था द्वारा दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है, जिसमें इस वर्ष 300 सौ से अधिक श्रद्धालुओं के बीच सूप एवं पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा। नारी शक्ति और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस वर्ष पोस्टर लॉन्चिंग का कार्य उपायुक्त के हाथों संपन्न कराया गया। उपायुक्त नैंसी सहाय ने इस अवसर पर कहा छठ महापर्व हमारे सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हजारीबाग यूथ विंग द्वारा किया जा रहा यह प्रयास न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणादायक भी है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने में सहायक होते हैं और हमें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर प्रदान करते हैं। छठ महापर्व सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे समाज को एकता और समर्पण की भावना से जोड़ता है। हजारीबाग यूथ विंग का यह प्रयास समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को छठ महापर्व के इस पावन पर्व में सम्मिलित करना है। हमारी संस्था समाज में सेवा के प्रति समर्पित है और इस पहल के माध्यम से हम सभी श्रद्धालुओं को महापर्व की तैयारियों में सहयोग करना चाहते हैं। कार्यक्रम संयोजक जय प्रकाश खण्डेलवाल ने कहा यह दूसरा वर्ष है जब हम इस आयोजन को कर रहे हैं, और हमारा लक्ष्य है कि हम हर साल अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचें।

सच्चाई की जीत हुई : ममता देवी

रामगढ़ : झारखंड हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी ने कहा कि उन्होंने मां दुर्गा से सच्चाई की जीत की प्रार्थना की थी और आज उनकी जीत हुई है। विरोधियों को एक बार फिर वह परास्त करेंगी। उन्होंने कहा कि एक बड़ी साजिश के तहत उन्हें सजा दिलवाई गई थी और उनकी विधायकी चली गई थी। झारखंड हाई कोर्ट के फैसले के बाद रामगढ़ में राजनीति की फिजा बदल गई है। पूर्व विधायक ममता देवी के अब चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। ममता देवी को कोर्ट से मिली राहत के बाद कांग्रेस कार्यकताओं और उनके समर्थकों में खुशी का माहौल दिख रहा है।

कैबिनेट से ईपीएफप की मंजूरी पर पारा शिक्षकों ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री का जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में बड़कागांव प्रखंड सहित झारखंड की 60 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापकों) को ईपीएफ का लाभ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मामले को लेकर सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बड़कागांव के प्रखंड अध्यक्ष शमशेर आलम के नेतृत्व में खुशी का इजहार करते हुए मिठाई बांटी गई। और सुबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम को धन्यवाद व आभार जताया। मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि वर्तमान सरकार ने हम सुबे के पारा शिक्षकों का मानदेय बढ़ोतरी सहित ईपीएफ का लाभ दिया इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एंव शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम को पूरे परिवार की ओर से धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करता हूं।

ईपीएफ में मानदेय से कटेंगे 1800, सरकार देगी 1950

बड़कागांव प्रखंड सहित सुबह के 60 हजार पारा शिक्षक लगभग 22 वर्षों से ईपीएफ का मांग कर रहे थे। और ईपीएफ सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन समय-समय पर करते रहते थे। ऐसा होता था कि किसी भी पारा शिक्षक की मृत्यु होती थी तो उसके परिजनों को पारा शिक्षक स्वयं अपने पर शिक्षकों से चंदा इकठ्ठा कर पारा शिक्षक के परिजनों को सहयोग राशि के रूप में देते थे। कैबिनेट विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने बताया कि बैठक में झारखंड के 60 हजार शिक्षकों को सहायक अध्यापकों को ईपीएफ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब इन कर्मियों के मानदेय से प्रत्येक महिना 1800 रुपए ईपीएफ मद में काटेंगे , वहीं राज्य सरकार अधिकतम 1950 रुपए देगी। जिसका लाभ सभी टेट पास, आकलन पास, प्रशिक्षित एवं अपारशिक्षित पारा शिक्षकों के 15 हजार मानदेय बेस पर ईपीएफ की कटौती होगी।पारा शिक्षकों के मानदेय से 12% जबकि सरकार के मद से 13% ईपीएफ में भुगतान होगा। दोनों राशि में अधिकतम 3600 ईपीएफ में प्रत्येक माह जमा होंगे। इसमें 1250 रुपए पेंशन मद में और 2750 रुपए भविष्य निधि में जमा होंगे। आभार व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष शमशेर आलम, बालेश्वर साव, सुनिता कुमारी, आरती कुमारी, कंचनमाला, इबादत हुसैन, खुर्शीद आलम, मोहम्मद जहांगीर सहित प्रखंड के तमाम पारा शिक्षक शिक्षकों की परिवार की ओर से धन्यवाद देते हुए आभार जताया है।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने बच्चों के बीच किया बैग का वितरण

बरही: बरही प्रखंड अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोरियाड़ीह के प्रांगण में सरकार द्वारा दिए गए बैग वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य रूप से स्थानीय मुखिया राजेन्द्र प्रसाद उप मुखिया दामोदर प्रसाद वर्मा और विद्यालय के प्रधानाध्यपिका मीना कुमारी सहायक अध्यापक रामजी प्रसाद, दीनानाथ प्रसाद, अजीत प्रसाद, सहायक शिक्षिका मधुबाला कुमारी, रेखा कुमारी, सहित विद्यालय के बच्चे शामिल हुवे। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों को मुखिया के हाथों बैग का वितरण किया गया। मुखिया राजेन्द्र प्रसाद एवं उप मुखिया दामोदर प्रसाद वर्मा, ने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों का शतझ्प्रतिशत उपस्थित विद्यालय में कराया जाए, ताकी बच्चें का भविष्य संवर सके। साथ ही कहा कि अभिभावक अपनेझ्र अपने बच्चों को ड्रेस, बैग, कॉपी किताब के साथ समय से विद्यालय भेजें ताकि बच्चें पढ़ लिखकर समाज का नाम रौशन कर सके। मौके पर प्रधानाध्यपिका मीना कुमारी, सहायक अध्यापक रामजी प्रसाद, दीनानाथ प्रसाद, अजीत प्रसाद, सहायक शिक्षिका मधुबाला कुमारी, रेखा कुमारी सहित स्कूल छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जयंती पर पूर्व सांसद ज्ञान रंजन को कांग्रेसियों ने किया याद

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता तथा झारखंड आंदोलन के प्रेरणास्रोत राज्य सभा के पूर्व सांसद स्व: ज्ञान रंजन की जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव यादव ने कहा कि ज्ञान रंजन जी प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता थे। वे एक बार सयुंक्त बिहार में बिहार विधान परिषद के सदस्य तथा एक बार राज्य सभा सदस्य के रूप में चुने गये। उनका कांग्रेस से गहरा लगाव था और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के करीबी में उनका शुमार होता था। जयंती कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, प्रदेश सचिव बिनोद सिंह उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान वरिष्ठ कांग्रेसी लाल बिहारी सिंह, मिथिलेश दुबे, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, राजू चौरसिया, अल्पसंख्यक अध्यक्ष साजिद अली खान महिला कांग्रेस अध्यक्ष बेबी देवी, जावेद इकबाल, दिलीप कुमार रवि, भैया असीम कुमार, सदरूल होदा, निसार अहमद भोला, अनिल भुईंया, मुस्ताक अंसारी, परवेज अहमद, गुड्डू सिंह, अमर सिंह यादव, विजय कुमार सिंह, रोहन ठाकुर, मुंगेश्वर चौधरी, तारिक रजा, अनिता देवी, बसंत कुमार, तेतरी देवी, विक्की कुमार, अनिल कुमार मेहता, अशोक कुशवाहा, जुबैर खान, राम कुमार पटेल, अमजद खान, कैलाश कुमार, अजमत अली, कमरूउद्दीन, दरगाही खान फैयाज उर्फ टारजन, संतोष कुशवाहा, मिनी कुशवाहा, अजय प्रजापति के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

डेंटल कॉलेज में विश्व एनाटॉमी दिवस केक काटकर मनाया गया

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के एनाटॉमी विज्ञान विभाग में दिन मंगलवार को विश्व एनाटॉमी दिवस केक काटकर मनाया गया। कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव एवं एनाटॉमी विभाग के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ गजाला शाहीन सहित छात्रों ने संयुक्त रूप से केक काटकर मनाया गया। मानव शरीर की अंगों की संरचना संबंधित रंगोली एवं शरीर पर आकृति बनाकर जागरूकता फैलाया गया। इस दौरान मानव शरीर रचना संबंधित व्याख्यान आयोजित कर चर्चा व परिचर्चा किया गया। अंगो की आंतरिक एवं बाहरी संरचना एवं क्रियान्वयन पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। मौके पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि विश्व एनाटॉमी दिवस विज्ञान तथा प्रमुख एनाटॉमिस्ट्स को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। जिन्होंने चिकित्सा, वैज्ञानिक खोज और खुद को समझने में एक अपरिहार्य भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर एनाटॉमिस्टों, चिकित्सकों और शोधकताओं के अथक प्रयासों को मान्यता देते हैं जिन्होंने समकालीन चिकित्सा का मार्ग प्रशस्त किया है। मौके पर उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव ने कहा कि आधुनिक मानव शरीर रचना विज्ञान के जनक, प्रसिद्ध शरीर रचना विज्ञानी एंड्रियास वेसालियस की याद में हर साल 15 अक्टूबर को विश्व शरीर रचना दिवस मनाया जाता है। शरीर रचना विज्ञान के शिक्षण का एक अभिन्न अंग मानव शरीर को विच्छेदित करके विस्तृत शारीरिक संरचना सीखना है।

सांसद प्रतिनिधि ने 5 करोड़ से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

बड़कागांव : सूर्य मंदिर से अराहरा गांव तक तथा लंगातु से जुगरा होते हुए चेपाकला गांव तक साढ़े आठ किलोमीटर लगभग 5 करोड रुपए लागत राशि से सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि सह संसदीय सांसद सेवा कार्यालय के प्रभारी अनिल मिश्रा ने किया। इस मौके पर अनिल मिश्रा ने कहा कि यह दोनों पथ दर्जनों गांवों के लोगो का आवागमन का मुख्य मार्ग है। यह पथ कई साल से जर्जर था। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए सांसद के प्रयास से डी एम एफ टी फण्ड से स्वीकृति मिली है। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संदेश में कहा कि इस क्षेत्र के प्रभावित ग्रामीणों का फर्ज बनता है कि सड़क निर्माण कार्य पर पैनी नजर रखे ताकि कार्य की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने कहा कि संवेदक व एजेंसी की कारगुजारियों की वजह से घटिया सड़क निर्माण की शिकायत मिलती रही है। उन्होंने कहा कि लोगो की सजगता अति जरूरी है तभी गुणवत्ता बनी रहेगी। इस मौके पर मुखिया रंजीत मेहता, जिला मंत्री जयनारायण प्रसाद, मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी, नर्सिंग प्रसाद, बैजनाथ साव, जमुना मेहता, दीपक कुमार महतो, अलंकार कुमार, कैलाश साव, शंकर राम, अर्जुन तिवारी, मनीष पांडे, रवि दांगी, शिशु मिश्रा समेत सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

राजतिलक की करो तैयारी : अमर बाउरी

रांची : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा है कि झारखंड की अत्याचारी झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार के विदाई की अंतिम गिनती शुरू हो चुकी है। दो चरणों में चुनाव का यह निर्णय स्वागत योग्य है। वहीं भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड चुनाव की घोषणा पर कहा कि चुनाव आयोग ने झारखंड में दो चरणों में चुनाव कराने का बहुत अच्छा फैसला लिया है। पूरा भरोसा है कि इस चुनाव से झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की लूट और भ्रष्टाचार का अंत होगा। चुनाव आयोग की इस घोषणा से झारखंड मुक्ति मोर्चा को झटका लगा है। हम चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत करते हैं।

झारखंड को बचाने का है यह चुनाव : बाबूलाल

रांची : प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मैं चुनाव आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा का स्वागत करता हूं। झामुमो कांग्रेस राजद के जंगलराज से त्रस्त झारखंड की जनता-जनार्दन अब परिवर्तन चाहती है। यह चुनाव झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की अस्मिता को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव आदिवासी समाज के अस्तित्व को घुसपैठियों से बचाने का चुनाव है। यह चुनाव युवा साथियों को नौकरी, रोजगार और न्याय दिलाने का चुनाव है। झारखंड के गरीब, किसान, महिलाओं को उनका हक दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है। पूरा विश्वास है कि इस विधानसभा चुनाव में झारखंड के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर लोक कल्याणकारी सरकार बनायेंगे।

जन आरोग्य केंद्र सीसीएल ने स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

रांची : मंगलवार को जन आरोग्य केन्द्र सीसीएल द्वारा रांची के पिस्का नगड़ी स्थित आदर्श वृद्धा आश्रम में एक नि:शुल्क श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 40 वृद्धों की जांच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह व आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवा भी दी गई। आश्रम में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ईसीजी और हाइपरटेंशन का नि:शुल्क जांच किया गया। शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस सीसीएल डॉ. रत्नेश जैन, सीएमओ सीएसआर डॉ. प्रीती तिग्गा, डॉ. मेजर शिल्पी, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. अनीता होरो, डॉ. रजनी कुजूर, डॉ. दीपाली, डॉ. सत्यप्रकाश रंजन, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. प्रियंका झा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

पहली बार रांची विश्वविद्यालय ने नियुक्त किए शारीरिक शिक्षक

रांची : रांची विश्वविद्यालय ने पहली बार शारीरिक शिक्षकों की नियुक्ति की है। रांची कुलपति अजीत कुमार की पहल पर रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले घटक महाविद्यालयों में 12 शारीरिक शिक्षकों की पीटीआई के पद पर नियुक्ति की है। ये नियुक्तियां संविदा के आधार पर 11 महीने की अवधि के लिए किया गया है। इस अवधि के लिए शिक्षकों को चौबीस हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, 10 शिक्षकों ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

झारखंड पुलिस की वजह से ही विकास के कार्य जमीन पर उतर रहे : वंदना दादेल

▸ झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ उद्घाटन।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के डोरंडा स्थित जैप-1 में मंगलवार को 19वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का उद्घाटन गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया। मौके पर वंदना दादेल ने झारखंड पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि आज झारखंड पुलिस की वजह से ही विकास के कार्य जमीन पर उतर रहे हैं। झारखंड पुलिस बेहतरीन काम कर रही है, जिसे और बेहतर करना है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि राज्य की सुरक्षा के लिए अपराधियों का जेल में बंद रहना बेहद जरूरी है। बेहतर अनुसंधान से ही दोषियों को सजा दिलाई जा सकती है। इसके लिए झारखंड पुलिस लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आईटी, साइबर क्राइम, अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा सहित अन्य विषयों पर भी दिन-रात पुलिस अधिकारी काम कर रहे हैं।

डीजीपी ने कहा कि अब हमें किसी अपराधी के प्रोफाइल के लिए छापेमारी करने और उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि एक बटन दबाते ही उसका पूरा प्रोफाइल सामने आ जाता है। बेहतर तकनीक के बल पर अब कांडों का खुलासा संभव है। डीजीपी ने बताया कि पुलिस ड्यूटी मीट तनाव से भरे पल से निकलने का एक जरिया भी है। आने वाले दिनों में ऑल इंडिया पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए हमारे पुलिसकर्मी अच्छी तैयारी कर रहे हैं।

पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान अनुसंधान की तरह-तरह के तरीके को भी प्रैक्टिकल रूप में दिखाया गया। इस दौरान सीआईडी आईजी असीम विक्रांत मिंज ने बताया कि बेहतर तकनीक, सूझबूझ, अनुसंधान के तौर तरीकों पर पुलिस खुद अपनी कसौटी पर कितनी खरी उतर रही इसके लिए हर वर्ष झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी झारखंड पुलिस के जवान बेहतर तकनीक के बल पर अपराधियों को सजा दिलाने के गुर सीखेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमों को मिलाकर राज्य की टीम तैयार की जाएगी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजा जाएगा।

पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान राज्य भर की आठ टीमों में शामिल 80 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के बीच मुकाबला होगा। जैप वन परिसर रांची में 18 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

इस दौरान फॉरेंसिक साइंस (लिखित), क्राइम जांच, कंप्यूटर अवेरनेंस, फोटोग्राफी, लिफ्टिंग पैकिंग, डॉग स्क्वायड एक्सप्लोसिव ट्रैक्टर, फिंगर प्रिंट, (प्रैक्टिकल व ओरल) जैसे विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में राज्य के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार 22 को उपस्थित हों : एचसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार को 22 अक्टूबर को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डा एस एन पाठक की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। यह फैसला घंटी आधारित शिक्षक प्रसिला सोरेन की याचिका पर सुनवाई के दौरान हुआ। कोर्ट ने कहा कि घंटी आधारित शिक्षकों को नियमित शिक्षकों की तुलना में कम वेतन मिलता है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। साथ ही राज्य के छात्रों और शिक्षकों का पलायन दूसरे राज्यों में होता है। इसके साथ कोर्ट ने खढरउ से भी शिक्षकों के खाली पदों की जानकारी मांगी है। इस मामले में प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने बहस की।

बता दें कि प्रसिला सोरेन ने सोमवार को कोर्ट में कहा था कि राज्य के सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में घंटी आधारित शिक्षकों की एडहॉक नियुक्ति की जाती है। इस पर कोर्ट ने पहले भी कहा था कि ऐसी नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए। इसी को लेकर कोर्ट ने राज्य के सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार को 22 अक्टूबर को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

झामुमो ने मंईयां सम्मान योजना की राशि बढ़ाने को लेकर निकाला विजय जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति ने मंगलवार को मंईयां सम्मान योजना की राशि बढ़ाने को लेकर विजय जुलूस निकाला। झारखंड सरकार की महत्वपूर्ण योजना मंईयां सम्मान योजना को 1000 से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है। रांची जिला स्कूल से अलबर्ट एक्का चौक तक विजय जुलूस निकाल कर हेमंत सरकार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा यह योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने यहां की बेटियां, बहनों और महिलाओं के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर सोचा और उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने के लिए

2500 रुपए की सम्मान राशि की योजना देने का काम किया। मंईयां सम्मान योजना की तीन किस्त राज्य की 52 लाख से भी अधिक महिलाओं के खाते मे जा चुकी है और इसी दिशा मे उन्हें सशक्त करने के लिए 2500 की सम्मान राशि महिलाओं को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जो कहते हैं वो करते हैं, भाजपा की तरफ फर्जी घोषणा और योजना नहीं लाते। विजय जुलूस में केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, जनक नायक, बीरू साहू, कलाम आजाद, रामानन्द बेदिया, सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नयन तारा उरांव, उपाध्यक्ष राखी देवी, अंशु लकड़ा, कोषाध्यक्ष उषा उरांव सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

नि:शुल्क पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए झारखंड के विद्यार्थी आगे आयें : डॉ पवन कुमार

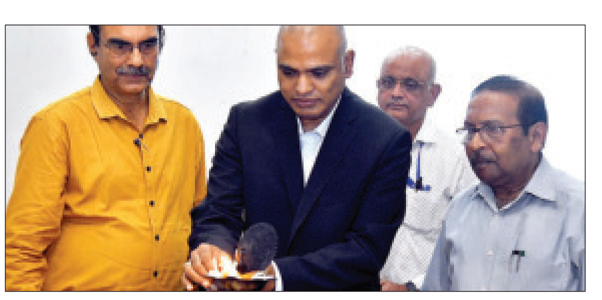

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अमेरिका, इंग्लैंड और जर्मनी जैसे देशों में पीएचडी पाठ्यक्रम पूरी तरह निशुल्क तो है ही, साथ ही शोधार्थी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अच्छा स्टाइपेंड भी मिलता है। इसलिए झारखंड के विद्यार्थियों को वहां के शोध कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रयास करना चाहिए। इन देशों में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश आसान नहीं है और 100 विदेशी आवेदकों में से केवल पांच छह ही चयनित हो पाते हैं। इसलिए अपना बायोडाटा, शोध कार्य का पूर्व अनुभव और किसी विशेष प्रयोगशाला या विश्वविद्यालय में ही शोध कार्य क्यों करना चाहते हैं इसका जस्टिफिकेशन भी बढ़िया से तैयार करना चाहिए।

उपरोक्त विचार स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, अमेरिका के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन कुमार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में मंगलवार को एक जागरूकता व्याख्यान देते हुए रखे। उन्होंने कहा कि शोध कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कार्य अनुभव का वर्णन करते हुए आवेदन तैयार करना एक महत्वपूर्ण कौशल है और इसमें छात्र-छात्राओं को मास्टरी हासिल करना चाहिए। जिस प्रयोगशाला या संस्थान में वे प्रवेश चाहते हैं उसके बारे में पूरी जानकारी संस्थान के वेब पेज या अन्य ऑनलाइन कंटेंट से प्राप्त की जा सकती है। अमेरिका में वैज्ञानिक पदों पर भर्ती के लिए पढ़ाई के विषय के अलावा, उम्मीदवार के प्रकाशित शोध पत्र, रुचि और कार्य के प्रति समर्पण को विशेष तवज्जो दी जाती है।

झारखंड में दो चरणों में चुनाव की घोषणा कर हरियाणा चुनाव दोहराना चाहता है आयोग : नायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने चुनाव आयोग द्वारा 288 सीट महाराष्ट्र में एक चरण में झारखंड 81 सीट दो चरण में चुनाव की घोषणा करने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि चुनाव आयोग के हिसाब से 288 सीट 81 सीट से कम होती है इसलिए महाराष्ट्र मे एक चरण मे चुनाव और झारखंड मे दो चरण मे चुनाव कराने की घोषणा की है। श्री नायक ने आगे कहा कि कोई भी अनपढ़ मतदाता यह समझ सकता है कि दो चरण में चुनाव महाराष्ट्र में कराने की आवश्यकता है क्योंकि वहां विधानसभा की सीट की संख्या जायदा है जहां जायदा सीट होती है वही दो चरण तीन चरण में चुनाव कराए जाते है और जहां कम सीट होती है वहां एक चरण में ही चुनाव हो सकते है। मगर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की सरकार है इसलिए वहां येन केन प्रकरेण एक ही चरण मे चुनाव करा लेना है और जहां विपक्ष की सरकार हो वहां दो, तीन चरण मे चुनाव कराने है चाहे क्यों न सीट कम हो। प्रथम फेज मे 19एसटी सीट और दुसरे फेज मे 7 एसटी सीट का चुनाव होगा और चुनाव कराने का अंतरण एक सप्ताह का होगा जो काफी है इधर से उधर करने के लिए।

श्री नायक ने चुनाव आयोग से मांग किया कि वे झारखंड मे एक ही चरण मे चुनाव कराये नही तो यह माना जायेगा कि चुनाव आयोग भेदभाव कर झारखंड मे हरियाणा चुनाव की तरह घटनाक्रम को अंजाम देने का कार्य करेगी।

325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए आईआईएम में चौथे विशेष प्रशिक्षण सत्र की हुई शुरुआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची के सहयोग से राज्य के 325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्राचार्यो के लिए विशेष प्रशिक्षण हेतु चौथे सत्र की शुरूआत हुई। पांच थीम पर आधारित इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में प्राचार्यो को अलग अलग विषयो पर आईआईएम के विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। आज रणनीतिक नेतृत्व विषय पर आधारित थीम पर प्रधानाध्यापकों को जानकारी दी गयी। इसमें

परिवर्तन प्रबंधन जैसे विषय भी शामिल है। आज हुए प्रशिक्षण के बारे में आईआईएम, रांची के प्रोफेसर आदित्य मिश्रा ने बताया कि एचएम अपने विद्यालयों के लीडर होते है। उनके विजन और मिशन को विद्यालय के उद्देश्यों से संरेखित करना एवं प्राचार्यो को नवीन शैक्षिक नवाचारों और उनके विधाओं से अवगत कराना पहले दिन के प्रशिक्षण का उद्देश्य था। आज उन्हें प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रेटेजी मैनेजमेंट के प्रोफेसर्स द्वारा रणनीतिक प्रबंधन की जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन सीखना और विकास थीम पर आधारित प्रशिक्षण दिया जायेगा। स्कूली बच्चो की लर्निंग बेहतर एवं प्रभावशाली बनाने, गुणवत्तापूर्ण अध्यापन, सॉफ्ट स्किल्स, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, हैप्पीनेस एवं तनावमुक्त माहौल के साथ साथ भावनात्मक कल्याण विषय पर प्रधानाध्यापकों को जानकारी दी जाएगी।

प्रधानाध्यापकों को आईआईएम रांची के विशेषज्ञों द्वारा पांच थीम पर पांच दिनों तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले दिन रणनीतिक नेतृत्व, दूसरे दिन सीखना और विकास, तीसरे दिन डिजिटल एंड सोशल लिटरेसी, चौथे दिन सामुदायिक भागीदारी, पांचवे और इस सत्र के अंतिम दिन उन्हें सामूहिक कार्य एवं कुशलता पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सत्र आईआईएम रांची में दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा।

राज्य शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा राज्य में संचालित सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और आदर्श विद्यालयों के प्राचार्यो के लिए निरंतर आईआईएम के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लीडरशिप कार्यशालाओं का संचालन किया जाता रहा है। इससे इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ साथ शिक्षकों में टीम मैनेजमेंट और नेतृत्व कौशल का विकास होता है। साथ ही वे शिक्षा में नवाचार से अवगत रहते है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने एपीजे अब्दुल कलाम को जयंती पर किया नमन

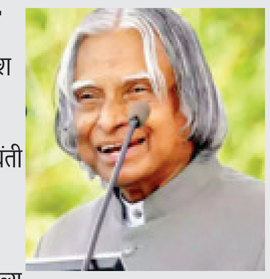

रांची : राज्यपाल संतोष गंगवार ने देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध महान वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। राज्यपाल ने मंगलवार को एक्स पर ट्वीट कर कहां है कि भारतीय रक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनका अमूल्य योगदान अविस्मरणीय है। उनके आदर्श और विचार सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी हैं।

रांची के नए डीसी वरुण रंजन ने पदभार संभाला

रांची : चुनाव आयोग की आपत्ति के बाद आखिरकार रांची डीसी को बदल दिया गया है। वरुण रंजन रांची के नए डीसी बनाये गये हैं। रांची के नये डीसी वरुण रंजन ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से पदभार लिया। वरुण रंजन 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उल्लेखनीय है कि वरुण रंजन इससे पहले धनबाद के डीसी थे लेकिन पीएम के कार्यक्रम में ड्यूटी कोताही बरतने पर उन्हें हटा दिया गया था। रांची डीसी के पद पर पदस्थापित होने के कुछ दिन बाद चुनाव आयोग ने मंजूनाथ भजंत्री को डीसी बनाए जाने पर आपत्ति जताई थी। कार्मिक द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब मंजूनाथ भजंत्री को जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है जबकि जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित मृत्युंजय कुमार वर्णवाल को मनरेगा आयुक्त बनाया गया है।

भाजपा की गोगो योजना चारों खाने हुई चित्त : कांग्रेस

रांची : भाजपा के ताबड़तोड़ प्रहार और हताशा को नजरअंदाज कर झारखंड की इंडियन गठबंधन सरकार ने दीपावली के पूर्व ही ऐसा बम फोड़ा है कि भाजपा की गोगो दीदी योजना चारों खाने चित्त हो गयी। हेमंत सोरेन सरकार ने दिसंबर से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि को 1000 से बढ़ाकर 2500 कर दी है। ये बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष सतीश कुमार मुंजनी ने मंगलवार को कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐन केन प्रकरेण कर झारखंड की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। इसके लिए वह ईडी का सहारा लेती है। भाजपा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न दलों के नेताओं के घर पर ईडी रेड करवाती है। इसका ताजा उदाहरण झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के भाई विनय कुमार ठाकुर, आईएएस मनीष रंजन सहित विभाग के कई लोगों के 18 ठिकानों पर की गयी छापेमारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता सारी चीजों को समझती है। पूर्व के चुनाव और उपचुनाव में जिस तरह गठबंधन ने भाजपा को धूल चटाई है। आसन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में उनका यही हश्र होने वाला है। मुंजनी ने कहा कि इस बार मतदाता किसी के बहकावे में नहीं आने वाली है।

श्रीश्याम मंदिर में हनुमान चालीसा के सामुहिक पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्रीश्याम मित्र मण्डल, रांची के द्वारा हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में 123 वां श्री सुन्दरकाण्ड - श्री हनुमान चालीसा का पाठ सामुहिक पाठ का दिव्य आयोजन किया गया था। श्रीश्याम मित्र मण्डल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने श्री हनुमान जी महाराज की दिव्य पावन अखण्ड ज्योति प्रज्वलित करके गुड़, चना, केशरिया पेड़ा, नारियल का प्रसाद अर्पित किया। श्रीरामचरितमानस महाग्रन्थ व पाठ वाचक मनीष सारस्वत, ओम शर्मा, व अन्य का चंदन - वंदन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद पाठ वाचकों ने श्रीगणेश वन्दना करके श्री हनुमान चालीसा व सुन्दरकाण्ड का पाठ प्रारंभ किया उपस्थित सैकड़ों भक्तो ने सामुहिक रूप से श्रीहनुमान जी की सेवा में पाठ किया। भजनों का गायन भी किया गया। महाबली रामभक्त श्रीहनुमान जी की जयकारो से पुरा मंदिर व हरमू रोड़ गूंज रहा था। राजेश जायसवाल ने केला फल प्रसाद, श्रवण ढाढ़ंनिया ने चना प्रसाद, पुष्प देवी पौदार ने केशरिया पेड़ा व मुकेश मित्तल गिरीगोला की सेवा निवेदित की। पाठ समापन के पहले पुन: श्रीहनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती की गयी। भक्तजनों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, श्रवण ढाढ़ंनिया, अनिल नारनोली, रतन शर्मा, स्नेह पौदार, अंकित सिंह, हर्ष कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हार के डर से बौखलाया झामुमो, चुनाव आयोग के निर्णय पर उठाया प्रश्न : प्रतुल शाहदेव

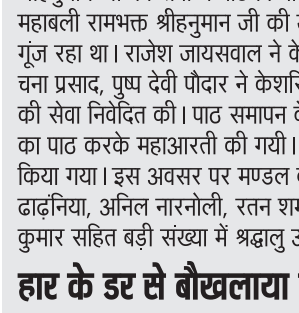

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को चुनाव आयोग के द्वारा दो चरण में चुनाव कराने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा बेवजह इस पर आपत्ति कर रहा। प्रतुल ने कहा कि संविधान में यह स्पष्ट वर्णित है कि चुनाव आयोग चुनाव वाले राज्यों में 6 महीने पहले तक चुनाव कराने के लिए सक्षम है। झारखंड में तो यह सरकार ने 59 महीना तक लूट और भ्रष्टाचार का शासन किया है। फिर एक महीने के लिए इनको इतनी बेचैनी क्यों? प्रतुल ने कहा कि कई बार तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कह चुके हैं कि हम चुनाव के लिए किसी भी समय तैयार हैं।फिर चुनाव की घोषणा के बाद यह छटपटाहट क्यों? प्रतुल ने कहा कि दरसल इनको पता है कि झारखंड में समाज का हर वर्ग को इन्होंने ठगा है। जनता इस सरकार को वोट के जरिए चोट देने को तैयार है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार को पता है कि यह उनकी झारखंड में अंतिम सरकार होगी। क्योंकि, 5 वर्षों में इस राज्य ने भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, युवाओं के साथ वादा खिलाफी, लूट, खसोट, घोटालों का नंगा नाच देखा है। इससे अब जनता मुक्ति चाहती है। प्रतुल ने कहा कि इस चुनाव से सबसे ज्यादा जनता उत्साहित है। क्योंकि, उसे 5 वर्षों के हेमंत सोरेन के भ्रष्ट शासनकाल से मुक्ति चाहिए। प्रतुल ने कहा कि प्रदेश की 02 करोड़ 60 लाख लोग हेमंत सरकार को बाहर करने के लिए 13 और 20 नवंबर को अपना वोट डालेंगे। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की प्रचंड जीत होगी और हेमंत सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट जाएगा।

एक नजर

प्रिवेंटिव विजिलेंस के एबीएमएस विषय पर जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन

बोकारो : सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के अन्तर्गत सामग्री प्रबंधन विभाग के सम्मेलन कक्ष में 15 अक्टूबर को मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा तथा मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं ए सी वी ओ ज्ञानेश झा की उपस्थिति में प्रिवेंटिव विजिलेंस के एबीएमएस विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में कुल 30 अधिकारियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह- 2024 के अंतर्गत 03 महीने तक चलने वाले अभियान का एक हिस्सा था। एबीएमएस जागरूकता सत्र में संकाय के रूप में शनि रंजन, सहायक महा प्रबंधक (सतर्कता) के द्वारा एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एबीएमएस के पृष्ठभूमि और कार्यान्वयन जैसे विभिन्न पहलुओं तथा अधिशासियों और कर्मचारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तृत रूप से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। चित्रा पाराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) के द्वारा क्रय मामलों के प्रसंस्करण में क्या करें और क्या न करें विषय पर सभी प्रतिभागियों के साथ केस स्टडीज के माध्यम से चर्चा किया गया

कसमार प्रखंड मुख्यालय में खुला पुस्तकालय

कसमार : प्रखंड के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पुस्तकों का अब अध्ययन आसान हो गया है। प्रखंड के पुराने सभागार में पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन प्रमुख न्योती दे एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी ने फीता काटकर की। इसपर प्रमुख ने कहा गरीब बच्चों को पठन पाठन में इससे काफी सुविधा होगी। गरीब बच्चे पैसे की कमी के कारण महंगे और ज्ञानवर्धक पुस्तक पढ़ने से वंचित हो जाते थे, वो कमी अब पूरा हो जाएगी। वहीं बीडीओ नम्रता ने कहा बच्चों के हर प्रतियोगी परीक्षाओं के पुस्तक उपलब्ध होंगे, वो बेहिचक आकर इसका अध्ययन कर कामयाबी हासिल करें। उक्त पुस्तकालय का संचालन डीएमएफटी निधि से किया जाएगा। मौके पर प्रधान सहायक देवानंद चौधरी, पसस प्रिया देवी, पूनम मरांडी, मंजू देवी, दिलीप महतो इत्यादि मौजूद थे।

आज होगी लक्खी पूजा

बोकारो : शरद पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को चास बोकारो में लकी पूजा धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। इसको लेकर जिले के विभिन्न सेक्टर में पूजा पंडाल का भी निर्माण किया जा रहा है। इन पूजा पंडालून में मां लक्ष्मी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाएगी धन-धन के साथ माता लक्ष्मी सभी घरों में पधारेंगे बंगाली समुदाय के लोग विधि पूर्वक लक्ष्मी पूजा में शामिल होंगे। वही मिसालांचल के लोग को जागरण पूजा करेंगे उड़िया समाज की महिलाएं गज लक्ष्मी की पूजा कर पति की लंबी आयु की कामना करेंगे। लक्ष्मी पूजा को लेकर मूर्तिकार मां लक्ष्मी की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं बाजार में भी मन को जागृत की छोटी बड़ी प्रतिमा बिक रही है घर-घर में लोग पूजा की तैयारी करने में जुटे हुए हैं। बंगाली समाज के घरों में भी समाज लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी हो चुकी है लक्ष्मी पूजा के अवसर पर मां लक्ष्मी के पैरों के चिन्ह और धान के शीश द्वार पर लगाए जाएंगे पुजारी रामानंद मिश्रा के अनुसार बताया की परंपरा के अनुसार द्वारा को आम पल्लव के तारों से सजाया जाएगा इसके बाद भी बहुत पूजा होगी। लक्ष्मी पूजा में मन को नारियल लड्डू का प्रसाद चढ़ाया जाता है ।

सरकार बदलो, सम्मान पाओ, सरकार के झूठे वादों में न फंसो : सीता सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास : साढ़े 4 साल सोने के बाद चुनाव आते ही मुख्यमंत्री को मइया सम्मान के नाम पर ढोंग रच रहे है, सम्मान देना है तो डेढ़ लाख करके दे उक्त बातें दुर्गा सोरेन सेना के चौथा स्थापन दिवस समारोह को संबोधित करते हुये जामा विधायक सीता सोरेन ने श्यामडीह स्थित रिवाज कहा। सोरेन ने कहा कि सरकार को उखाड़ फेंकने का निर्णय ले, झारखंड में बदलाव करना होगा तभी राज्य का विकास व कायाकल्प होगा,उन्होंने कहा कि दुर्गा सोरेन सेना का निर्माण गरीब किसान, बेरोजगारो, महिलाओं के विकास के लिये हुआ था। उनके कार्यकाल में कोई भी अधिकारी गलती करते थे तो स्वयं स्वर्गीय दुर्गा सोरेन जी उन्हें दंडित करते थे लोग उनके नाम से गलत कार्य करने वाले अधिकारी पदाधिकारी डरते थे। जामा विधायक सीता सोरेन ने कहा की सरकार बदलो, सम्मान पाओ, सरकार के झूठे वादों में न फसो, मोदी जी के कार्यकाल में देश का हुआ विकास राज्य की योजना धोखा हैलूट का अड्डा है। झूठे वादों की सरकार को बदलो, मुख्यमंत्री केंद्र से राज्य के बकाया मांगते है वह गलत तरीका है, उन्हें कोर्ट जाना चाहिये, कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने कहा कि ने युवाओं को संगठन से जुड़कर अपनी हक की लड़ाई लड़ने के लिये तत्पर रहने के लिये आगे आने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही राज्य के मूखिया ने विभिन योजनाओं का धरातल पर उतारने की ढोंग करके महिलाओं के वोट लेने की साजिश कर रहे है। जय सोरेन ने कहा कि की मेरे पिता के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए दुर्गा सोरेन सेना का गठन कर उनके सपनों को पूरा करने के लिये। युवा मौर्चा केप्रदेश अध्यक्ष सुनील पासी ने कहा कि झारखंड में दुर्गा सोरेन सेना के प्रति लोगो मे विश्वास जागा है। जिसके कारण राज्य के सभी जिलों में दुर्गा सोरेन सेना संगठन में युवाओ को हक अधिकार दिलाने के लिये हमेशा लड़ने का कार्य करती है। इसके पूर्व अथितियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर युवा मौर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रौनक गुप्ता, प्रदेश महासचिव राकेश दास, ओम प्रकाश, विक्की राय, अनुज सिंह, एल बी सिंह, देवाशीष घोष, राहुल चौहान, रंजीत कुमार रंजन, लखी चौहान, गड्डू जायसवाल, आशीष गुप्ता, संतु गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

नशाखुरानी के शिकार युवक को भाजपा नेता रिंकु शर्मा ने की मदद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : हैदराबाद से सिल्लीगुड़ी घर वापस जा रहे 33 वर्षीय युवक भवंत तामा ट्रेन में नशाखुरानी गिरोह के बदमाश द्वारा नशे का शिकार हो गया। भवंत तामा ने बताया कि मैं हैदराबाद से अपने घर सिलीगुड़ी गौरव थान नीम बस्ती जा रहा था। इसी बीच भागा स्टेशन में एक व्यक्ति ने मुझसे बातचीत शुरू की और दोस्ती कर सॉफ्ट ड्रिंक पिलाया,जिसमें कुछ नशीला पदार्थ मिलाया हुआ था। जिससे मैं मदहोश हो गया। इधर भाजपा नेता रिंकू शर्मा ने बताया युवक नशे की हालत में इधर-उधर घूम रहा था। पूछताछ करने पर पता चला वह सिलीगुड़ी का रहने वाला है इसके बाद झरिया थाना की मदद से बस्ता कोला में स्थित जीवन संस्थान स्कूल में उन्हें आश्रय दिलाया। जीवन संस्थान स्कूल जो मंद बुद्धि और विकलांग बच्चों के लिए स्कूल है। नशाखुरानी का शिकार भुक्तभोगी घर वालों को सूचना दी गई। करीब 3 दिन भी जाने के बाद सिलीगुड़ी से घर वाले बस्ता कोला जीवन संस्थान पहुंचे और भवंत तामा को अपने साथ घर सिलीगुड़ी ले गए। भवंत तामा के घर वाले इस कार्य के लिए जीवन संस्थान स्कूल के संस्थापक अशोक सिंह और भाजपा नेता रिंकू शर्मा का इस उपकार के लिए आभार व्यक्त कर हार्दिक धन्यवाद।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों संघ की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों संग बैठक की.बैठक के दौरान उन्होंने कोषांगवार विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर की जा रही तैयारियों से अवगत हुए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से इलेक्शन मोड में रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिना टीम वर्क के चुनाव का सफल संचालन संभव नहीं है ऐसे में आवश्यकता है कि सभी लोग एकसाथ एकजुट होकर अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें.उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का जो दायित्व है, उसका निष्पादन नोडल पदाधिकारी अपने देख-रेख में ससमय पूरा करना सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा क्रम में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रंजन ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी से विभिन्न स्तर के प्रशिक्षणों की तिथि से अवगत हुए,वहीं निर्वाचन कोषांग द्वारा अबतक किये गये कार्यों की भी जानकारी ली। इसके अतिरिक्त उन्होंने संबंधितों को मतदान कर्मियों का डाटा बेस तैयार करने, लंबित इंट्री को अविलंब पूरा करने, पोस्टल बैलेट, सुविधा केंद्र स्थापित करने, दिव्यांग मतदाताओं को सुविधा उपलब्ध कराने, वाहन कोषांग को वाहनों की संख्या का मूल्यांकन करने, सामग्री कोषांग, ईवीएम कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, मीडिया कोषांग, स्वीप कोषांग आदि को लेकर संबंधित कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने निर्वाचन, कार्मिक, वाहन, सामग्री, आदर्श आचार संहिता, मीडिया, प्रशिक्षण, प्रेक्षक, सहित अन्य कोषांगों का समीक्षा कर कई अन्य निर्देश दिये। उन्होंने इलेक्शन के सफल संचालन हेतु निर्वाचन आयोग का हैंड बुक में दिए गये निदेर्शों का पालन करने के निर्देश दिये।

बड़्स गार्डेन स्कूल में 29वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

राजगंज : बड्स गार्डेन स्कूल परिसर में मंगलवार को क्षेत्र के नए थाना प्रभारी अलीशा अग्रवाल के माध्यम से स्कूल प्रबंधन द्वारा 29वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किया गया। इस दौरान अलिशा अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनकी कड़े मेहनत और खेल की प्रतिभा की काफी प्रशंसा की।साथ ही प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने इन महिला खिलाड़ियों को झारखंड की टीम में चयन होने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और उनके कड़े मेहनत को सैल्यूट किया। साथ ही स्कूल की निदेशका गौरी चौरसिया ने पुष्पगुच्छ देकर ने थाना प्रभारी का स्वागत किया एवं स्कूल की स्काउट एंड एनसीसी बैंड ग्रुप द्वारा थाना प्रभारी और सभी फुटबॉल खिलाड़ियों को मार्च पास्ट और सलामी देकर स्वागत किया गया। स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रमोद कुमार चौरसिया ने ट्रायल कैंप के मुख्य सलेक्टर के रूप में झारखंड फुटबॉल टीम के मुख्य सलेक्टर एवं मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब कोलकाता के पूर्व खिलाड़ी मो. नियाजउद्दीन एवं अध्यक्ष ऐ. के. पाल ने टीम कोच पारस करमाली का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया।इस दौरान स्कूल के सभी छात्राओं व शिक्षक परिवार ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। जिससे सभी खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिल रही थी।

राज्यपाल ने प्रतीक्षित एसजेएएस हॉस्पिटल का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित एसजेएएस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। एसजेएएस हॉस्पिटल को पूर्वी भारत का सबसे आधुनिक अस्पताल बताया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व सांसद पी.एन. सिंह, विधायक राज सिन्हा, रागिनी सिंह और अस्पताल के ऑनर अमरेंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। मीडिया से बात करते हुए अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस अत्याधुनिक स्वास्थ्य संस्थान में 19 विभिन्न बीमारियों का इलाज उपलब्ध होगा, जिससे झारखंड के लोगों को इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यहां मरीजों को उचित दाम पर बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी, जो क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी।

विधानसभा चुनाव 2024: सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में जारी की निषेधाज्ञा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी। इसी क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना ने भी संपूर्ण अनुमंडल क्षेत्र में दिनांक 15 अक्टूबर 2024 से मतगणना समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। जिसके तहत पूरे सदर अनुमण्डल क्षेत्र में किसी प्रकार के घातक हथियार, आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने एवं ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।यह निषेधाज्ञा सरकारी पदाधिकारी / कर्मचारी/पुलिस कृपाल धारण करने पर लागू नहीं होगा। सरकारी अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय संस्थाओं जैसे महाविद्यालय उच्च विद्यालय, प्राथमिक, मध्य एवं बुनियादी विद्यालयों एवं किसी भी आम भूमि पर किसी प्रकार का आम सभा का आयोजन करने तथा पूरे अनुमण्डल क्षेत्र में जुलूस निकालने पर मनाही होगी। इसके उपयोग के लिए सदर अनुमंडल कार्यालय की अनुमति आवश्यक होगी।यह निषेधाज्ञा शव यात्रा, शादी विवाह / मांगलिक कार्य पर लागू नहीं होगा। कोई भी दल अभ्यर्थी या उनके सहयोगी द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल प्रातः 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक समय सीमा के अन्दर अनुमंडल कार्यलय की पूवार्नुमति प्राप्त कर ही किया जा सकेगा। उक्त समय सीमा के बाहर ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उपर्युक्त शर्त्त मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारा या धार्मिक स्थलों पर लागू नहीं होगी। मंदिर मस्जिद गिरजाघर, गुरुद्वारा या अन्य पूजा स्थल पर से निर्वाचन के प्रचार को प्रतिबंधित रखा गया है। किसी सार्वजनिक / सरकारी सम्पति या किसी व्यक्तिगत सम्पति पर नारा लिखना, पोस्टर पम्पलेट साटना, झंडा टांगना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होर्डिंग लगाना, तोरण द्वार लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी उम्मीदवार को ऐसा कोई कार्य नहीं करना है जिससे किसी धर्म,सम्प्रदाय या जाति के लोगों की भावना को ठेस पहुँचे या उनमें विद्वेष या तनाव पैदा हो। मत प्राप्त करने के लिए धार्मिक, साम्प्रदायिक या जातीय भावनाओं का सहारा लेने पर भी मनाही होगी। पूजा के किसी स्थान जैसे कि मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन प्रचार के लिए नहीं किया जा सकेगा। किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन के ऐसे पहलुओं की आलोचना नहीं किया जाना है जिनका संबंध उसके सार्वजनिक जीवन या क्रियाकलापों पर और न ही ऐसे आरोप लगाये जाना है जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो। किसी अभ्यर्थी की आलोचना उसके पूर्व कार्य तक ही सीमित रहनी है तथा असत्यापित आरोपों पर आधारित नहीं हुई हो। प्रत्येक व्यक्ति के शान्तिपूर्ण घरेलु जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाना है,चाहे उसके विचार कैसे भी क्यों न हो। किसी व्यक्ति के कार्यों या विचारों का विरोध करने के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा ऐसे व्यक्ति के घर के सामने धरना देगें, नारेबाजी करने या प्रदर्शन करने की कार्रवाई का कतई समर्थन नहीं किया जाएगा उम्मीदवार को ऐसे सभी कार्यों से परहेज करना है जो चुनाव कानून के अन्तर्गत अपराध हो। ऐसा कोई पोस्टर, इश्तेहार, पम्पलेट पर परिपत्र निकालना जिसमें मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता न हो, धारा 127अ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियन का उल्लघंन माना जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गुरुनानक कॉलेज में अभिभावक-शिक्षक मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धनबाद: मंगलवार को गुरु नानक कॉलेज धनबाद के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा भुदा कैंपस में अभिभावक -शिक्षक मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग में अध्ययन छात्र-छात्राओं में से 74 छात्र छात्राएं एवं 74 अभिभावक ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। अभिभावक और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने कक्षा में छात्रों की उपस्थिति के साथ ही साथ कॉलेज लाइब्रेरी, एनएसएस, एनसीसी, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, महाविद्यालय में समय-समय पर आयोजित होने वाले सेमिनार, रोजगार मेले, स्पोकन ट्यूटोरियल में उनकी सक्रिय सहभागिता और उपस्थिति को आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बताया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं ने विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए फीडबैक प्रपत्रों पर शैक्षणिक एवं छात्रहित संबंधित सुझाव दर्ज किए। उपस्थित अभिभावकों की ओर से कॉलेज में आयोजित शैक्षणिक एवं अन्य क्रियाकलापों के सुदृढ़ एवं सुचारु गतिविधियों की प्रशंसा की। विभाग अध्यक्ष डॉ मीना मालखंडी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अपने संबोधन में विभाग के द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य क्रियाकलापों से संबंधित विषयों पर नीतिगत जानकारी दी। इस समारोह में उपस्थित अभिभावकों की ओर से विभाग के द्वारा किए गए इस कार्यक्रम को सराहा गया। कार्यक्रम को भुदा कैंपस के प्रोफेसर- इंचार्ज प्रोफेसर अमरजीत सिंह ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रोफेसर दीपक कुमार, प्रोफेसर दलजीत सिंह, डॉ नीता ओझा, प्रोफेसर नमिता कुमारी और प्रोफेसर सिमरन छाबड़ा, नरेंदर सिंह तथा पंकज कुमार उपस्थित थे।

एनएसयूआई ने रोकी आईआईटी आईएसएम की बाउंड्री

धनबाद: मंगलवार को बिना किसी जानकारी के धनबाद आईआईटी आईएसएम ने पी. के.रॉय कॉलेज के सामने अपनी बाउंड्री करने की कोशिश की। प्रवक्ता ने बताया बाउंड्री से पी. के. रॉय कॉलेज के छात्रों को बहुत परेशानियों का सामना करना पर सकता है तथा कॉलेज में किसी भी प्रकार की आपदा होने पर बाहर निकलने के लिए केवल एक रास्ता है। जिस कारण आज सभी शिक्षक तथा दर्जनों छात्र के साथ एनएसयूआई ने आंदोलंद किया और बाउंड्री होने से रोका। मौके पर मौजूद एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, प्रदेश सचिव रवि, विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधि राज रंजन सिंह, सन्नी सिंह, अनिकेत, रोशन कुमार, पियूष सिंह, अमन, आयुष, ध्रुव, नवनीत, अभिनाश, वरुण, मुकेश, सचिन तथा अन्य छात्र मौजूद थे।

मंईयां सम्मान योजना की राशि ढाई हजार करने के निर्णय का महिलाओं ने किया स्वागत

धनबाद : झारखण्ड मंईयां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि को एक हजार रुपये से बढ़ाकर ढाई हजार रुपये कर दिए जाने की कैबिनेट से मिली मंजूरी पर झामुमो महिला मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताते हुए मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर अबीर गुलाल लगाकर एवं मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। झामुमो मिडिया पेनेलिस्ट डॉ. नीलम मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार महिलाओं के सम्मान में नित दिन नए फैसले ले रहे हैं हेमंत सरकार द्वारा चलाई जा रही यह योजना काबिले तारीफ है। लाखों महिलाएं इससे लाभान्वित हो रही हैं और दिसंबर महीने से लाभुकों के खाते में एक हजार के बजाय ढाई हजार की राशि जाएगी इसे लेकर महिलाओं में जबरदस्त खुशी है और वे मुख्यमंत्री का दिल से आभार जता रहे हैं।

सीबीएसई जूडो नेशनल में एमजीएम स्कूल बोकारो ने जीते चार पदक

बोकारो : एमजीएम स्कूल बोकारो के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई नेशनल जूडो प्रतियोगिता जो की 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल गिरिडीह में आयोजित की गई जिसमें एमजीएम स्कूल बोकारो के चार बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत पदक और तीन कांस्य पदक पर कब्जा जमाया पदक जीतने वाले बच्चों में आयुष पटेल, अंशु कुमार, जेबा नाज एवं प्रियदर्शनी सिंह शामिल है। बच्चों के इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्ग किसने स्कूल के जूडो प्रशिक्षक एवं खेल शिक्षक राजीव कुमार सिंह को शुभकामनाएं दी। वही उप प्राचार्य रेखा बनर्जी, एकेडमिक डायरेक्टर जॉर्ज जोसेफ, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी के साथ-साथ स्कूल के अन्य खेल शिक्षकों में राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, सौरभ कुमार, मोहसिन एवं वंदना कुमारी ने बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बीएसएल के फ्रंटलाइन अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के अन्तर्गत 15 अक्टूबर को बी एस एल के फ्रंटलाइन अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित किया गया। जिसमे विभिन्न विभाग के कुल 31 अधिशासी प्रतिभागी के रूप में शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं ए सी वी ओ ज्ञानेश झा एवं मनीष जलोटा मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के साथ संतोष कुमार गुप्ता सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) उपस्थित थे।

एक नजर

चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू : डीसी

गुमला : जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र गुमला, सिसई और बिशुनपुर में 13 नवंबर को मतदान होगा। इसे लेकर मंगलवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी व एसपी शंभू कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। उन्होंने जिले वासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। जिला प्रशासन शांति पूर्ण मतदान को लेकर संकल्पित है। उपायुक्त ने कहा कि चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। 25 अक्टूबर तक तीनों विधान सभा सीटों के लिए नामांकन दाखिल किया जाएगा। 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। वहीं 30 अक्टूबर को नाम वापसी की तिथि निर्धारित की गयी है। तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल 7 लाख 92 हजार 183 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे।

कोलेबिरा में टेंगड़ी रोजगार मेला का हुआ आयोजन

सिमडेगा : टेंगड़ी रोजगार मेला 2024 का आयोजन जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, सिमडेगा के तत्वावधान में एसएस हाईस्कूल कोलेबिरा में हुआ। इस मेले में कुल 12 कंपनियों ने भाग लिया। जिनमें 6 स्थानीय कंपनियां और 6 बाहरी कंपनियां शामिल थीं। स्थानीय कंपनियों द्वारा कुल 350 रिक्तियों की पेशकश की गई। बाहरी कंपनियों ने 950 रिक्तियों के अवसर प्रदान किए। इस आयोजन ने क्षेत्र के लोगों में रोजगार के प्रति उत्साह पैदा किया। कार्यक्रम को लेकर प्रतिभागियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई। भविष्य में इस प्रकार के मेलों को प्रखंड स्तर पर आयोजित करने की योजना को भी प्रोत्साहन मिला है, जिससे अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। इस तरह के रोजगार मेलों से न केवल युवाओं को उपयुक्त नौकरी के अवसर मिलते हैं, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास और कौशल उन्नयन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

फुटबॉल का खेल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक त्योहार है : रोहित उरांव

लोहरदगा : सदर प्रखंड के कुरसे फुटबॉल मैदान में मंगलवार को आयोजित चार दिवसीय शहीद शेख भिखारी प्रतियोगिता का समापन हो गया। समापन समारोह में लोहरदगा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र युवा नेता रोहित प्रियदर्शी उरांव एवं अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के नाजिम ए आला हाजी अब्दुल जब्बारूल अंसारी व विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल मौजूद थे।

लोहरदगा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अधिकारियों की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 को लेकर सभी कोषांगों के वरीय, नोडल और प्रभारी पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई।बैठक में सभी कोषांगों को दिये गये दायित्वों को पालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निर्वाचन को त्रुटिरहित संपन्न कराने के लिए सभी कोषांगों की भूमिका पर चर्चा की गई। पोस्टल-बैलेट कोषांग को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराते समय निश्चित रूप से एपिक कार्ड मतदाता द्वारा प्रस्तुत कराना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण कोषांग को त्रुटिहरित और प्रत्येक बिंदु का प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की समस्या नहीं उत्पन्न हो। पीठासीन पदाधिकारी समेत सभी मतदान पदाधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण का निर्देश दिया गया। मतदान के दौरान मतदाताओं के पंक्ति/कतार का बेहतर प्रबंधन किये जाने का निर्देश दिया गया। सभी मतदान केंद्रों में एएमएफ सुनिश्चि करने, साइनेज सुनिश्चित किये जाने के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिये गये। मॉडल बूथ में निर्धारित मापदण्ड के अनुसार सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रत्याशियों के नामांकन व स्क्रूटनी में विशेष सावधानी का निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर द्वारा सभी कोषांग के पदाधिकारियों को उनके दायित्वों व बिंदुवार जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। आदर्श आचार संहिता के दौरान पहले चौबीस, अड़तालीस व बहत्तर घंटे में की जाने वाली कार्रवाई, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, प्रशिक्षण, एफएसटी/वीएसटी के कार्य, मतदान केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं व उनकी रिपोर्टिंग समेत अन्य जानकारी दी गई। बैठक में तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

युवक की खून से लतपथ मिली लाश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : सतबरवा थाना क्षेत्र के खामडीह में मंगलवार को एक युवक का खून से लथपथ लाश मिली है। साथ ही मृत युवक के शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान भी हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने की तैयारी करने लगी, लेकिन परिजनों ने चार घंटे तक शव नहीं उठाने दिया। वहीं मृत युवक की मां ने अपने पति पर ही हत्या की आशंका जाहिर की है। मां के बयान पर पुलिस आगे की छानबीन में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खामडीह के पूणार्डीह टोला का रहने वाला सकेन्द्र साव सोमवार की रात खाना खाने के बाद अपने अर्धनिर्मित घर में सोने के लिए चला गया था। मंगलवार की सुबह परिजनों ने सकेंद्र का शव खून से लथपथ पड़ा देखा। सकेंद्र के सिर में धारदार हथियार से हमले के निशान थे। युवक का शव छत में पड़ा था, जबकि खून के निशान घर के दूसरी जगह पर भी मौजूद थे। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और शव को नहीं उठने दिया। चार घंटे के कड़ी मशक्कत और काफी समझाने के बाद परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने दिया। पुलिस ने शव को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया है। इस संबंध में सतबरवा के थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि मृत युवक की मां ने अपने पति अर्थात मृत युवक के पिता पर ही हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस सभी बिंदुओं पर अनुसंधान कर रही है। हत्या में शामिल अपराधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस घटना में पिता की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से कलाकारों की निखरती है प्रतिभा : भीष्म चौरसिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : सदर प्रखंड के कौड़िया पंचायत अंतर्गत तीनकोनिया टोला में यंग जागृति संघ द्वारा दुर्गा पूजा के मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन समाजसेवी भीष्म चौरसिया, जेनरल अध्यक्ष टाइगर कुमार, बीस सूत्री सदस्य प्रेम प्रकाश ठाकुर, सुआ मुखिया दुलारी देवी, पूर्व जिला परिषद अर्जुन सिंह, पंसस अजीत सिंह, उपाध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, समाजसेवी उपाध्याय सिंह, शिक्षक रविंद्र सिंह, रामकेरश चौरसिया, झरिवा शिव मंदिर के मुख्य संरक्षक मुकेश कुमार, अजय चौधरी, प्रङ्गभु पाल, पूजा समिति अध्यक्ष सुबोध विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर उदघाटन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार आर्यन बाबू, नेहा राज, धनंजय शर्मा, प्रियंका सिंह भाास्कर ने निमियां के डाल मईया..., मईया दे दी दरसनवा समेत एक से बढ़कर एक भाक्ति गीत प्रस्तुत कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों के गीत संगीत पर लोग थिरकते नजर आये। मौके पर समाजसेवी भीष्म चौरसिया ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं बल्कि एकता का भी प्रतीक है। सांस्कृतिक कार्यक्रम से कलाकारों की प्रतिभा निखरती है वहीं समाज में भााईचारा, एकता व सांप्रदायिक बढ़ता है। मौके पर पूजा समिति द्वारा अतिथियों गमछा, फरसा देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सचिव छोटू विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष संतोष प्रसाद, उप कोषाध्यक्ष राजेश सिंह, विवेक रंजन उर्फ टूटू तिवारी, मुकेश टेंट हाउस के प्रोपराईटर मुकेश कुमार गुप्ता, किशोर कुमार, सुदर्शन ठाकुर, मुकेश पांडेय उर्फ बुलबुल पांडेय, अनिल मेहता समेत कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम में सुरक्षा प्रदान करने को लेकर सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, जिला ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद दलबल के साथ मुस्तैद दिखे।

खुदाई के दौरान मिट्टी में दबा मजदूर स्थानीय लोगों ने बचाई जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चीराचास थाना क्षेत्र के तलगाड़िया मोड़ के पास गैस पाइपलाइन के लिए गड्ढे की खुदाई के दौरान एक मजदूर मिट्टी में दब गया। घटना के बाद इस दौरान मौके पर मौजूद जेसीबी ड्राइवर और ठेकेदार फरार हो गया। इस घटना की सूचना जब स्थानीय लोगों को मिली तो लोगों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मिट्टी में दबे मजदूर को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि चीराचास थाना क्षेत्र के तलगाड़िया मोड़ के समीप गैस पाइपलाइन के लिए गड्ढे की खुदाई हो रहा था। इसी दौरान चंदनकियारी के बरमसिया का रहने वाला मजदूर लालटू महतो अचानक मिट्टी में दब गया। इस दौरान मौके पर मौजूद जेसीबी चालक एवं ठेकेदार मौका देख वहां से भाग निकले। घटना के बाद स्थानीय लोगों को जब इसकी सूचना मिली तो 2 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद लोगों ने मजदूर को मिट्टी खोदकर बाहर निकाला। हालांकि मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित है। वहीं मौके पर पहुंचे चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि मजदूर पूरी तरह से ठीक है। लापरवाही की जांच की जा रही है। अगर प्रथम दृष्ट्या यह लापरवाही का मामला सामने आता है तो इस पर कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं मजदूर को निकालने के दौरान मौजूद रहे सुमित नामक व्यक्ति ने बताया कि हमलोग इस रास्ते से गुजर रहे थे। इसी दौरान मजदूर के दबे होने की जानकारी मिली। मिट्टी के अंदर मजदूर रहने के कारण उसका कुछ भी दिखाई नहीं पड़ रहा था। काफी मशक्कत के बाद उसे निकाला जा सका है। लापरवाही के कारण यह घटना हुई है। ऐसे में प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

केंद्रीय योजनाओं का जायजा लेने नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम पहुंची खूंटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : केंद्र सरकार से संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम मंगलवार को खूंटी पहुंची। खूंटी पहुंचने के बाद नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम में शामिल अधिकारियों ने परिसदन, खूंटी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र सरकार से क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की। खूंटी में 22 अक्टूबर तक रहकर टीम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित याजनाओं का पर्यवेक्षण, अनुश्रवण करेगी। यह टीम विभिन्न पंचायतों में जाकर योजनाओं की स्थिति की जानकारी लेगी। क्षेत्र भ्रमण के दौरान मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अन्य योजनाओं की धरातल पर स्थिति का जायजा लिया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता और निष्पक्षता के संबंध में जानकारी ली जाएगी। टीम 16 अक्टूबर को लांदुप पंचायत के सिरूम और तिरला पंचायत के बगडू में आरसेटी का भ्रमण कर याजनाओं की जानकारी प्राप्त करेगी। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा प्रखंडों के बीडीओ, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत समीक्षा एवं स्वच्छता रैली का हुआ आयोजन

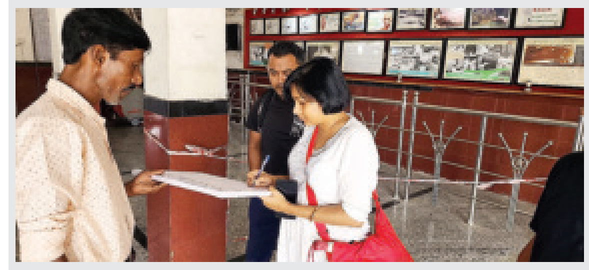

बोकारो : 1 अक्टूबर 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में 15 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता जागरूकता रैली और समीक्षा अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान मंडल के प्रमुख स्टेशनों जैसे आद्रा, पुरुलिया, बोकारो, बाँकुड़ा सहित अन्य विभिन्न स्टेशनों पर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। इस अभियान में यात्रियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए हस्ताक्षर अभियान और कचरा उठाने के लिए प्लॉगिंग इवेंट्स का भी आयोजन किया गया। यात्रियों ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। इस सम्पूर्ण स्वच्छता पखवाड़े के दौरान कई गतिविधियाँ सफलतापूर्वक आयोजित की गईं, जिनमें स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मेरी सीट, मेरा डिब्बा, स्वच्छ स्टेशन (प्रमुख स्टेशन), फिल द डस्टबिन, स्वच्छ रेलगाड़ी (विशेष और अन्य गाड़ियाँ), स्वच्छ पटरियाँ के तहत पटरियों की सफाई और खुले में शौच रोकने के लिए जागरूकता अभियान, स्वच्छ परिसर (कार्य स्थल और आवासीय परिसर), स्वच्छ आहार (खाद्य स्थल), स्वच्छ जल (पेयजल), स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ पर्यावरण, 'वेस्ट टू वेल्थ' विषय पर प्रदर्शनी, स्वच्छता प्रतियोगिता, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का अभियान आदि शामिल है। रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों और आम जनता से अपील करता है कि वे इस स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। कृपया रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में शौचालयों का उचित उपयोग करें और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई

बोकारो : डीएवी इस्पात पब्लिक विद्यालय 8 बी में भारत के ह्यमिसाइल मैन एवं 11 वें राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की 93 वें जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय के प्राचार्य उत्तम कुमार रॉय ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों के साथ डॉक्टर कलाम की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि देकर किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने भाषण एवं पोस्ट द्वारा अपने विचार को प्रकट किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए डॉक्टर कलाम के जीवन आदर्शो पर चलने के लिए प्रेरित किया, डॉक्टर कलाम से संबंधित विशेष तथ्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशांत कुमार, पीयूष झा, पूर्णिमा सिंह, संध्या, रिचा, हर्षिता, कल्याणी, रोशन आदि सभी शिक्षक शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

कैरेज विभाग के कर्मचारियों ने अपने वरिष्ठ अनुभाग अभियंता पर लगाया आरोप

सिल्ली : दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल अंतर्गत मुरी रेलवे स्टेशन के कैरेज विभाग के अपने ही अधिकारी वरिष्ठ अनुभाग अभियंता दीपक कुमार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है प्राप्त सूत्रों के अनुसार दीपक कुमार अपने चहेते कर्मचारियों को लाइन ड्यूटी भेजते हैं ताकि उनको ट्रैवलिंग एलाउंस बन सके एवं अन्य कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जाता है जिसके कारण अन्य कर्मचारी क्षुब्ध है। कर्मचारियों ने दबे जुबान से बताया कि हम लोगों को कभी लाइन ड्यूटी भेजने के संदर्भ में बताया ही नहीं जाता है। इस संबंध में रेलवे के अधिकारी दीपक कुमार से पूछने पर उन्होंने कहा कि अन्य कर्मचारियों को कहने पर बहाना बनाते हैं और 1932 खतियान आधारित स्थानीय है हम कोई हमें कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा हम जो चाहेंगे वही करेंगे हमें कोई अधिकारी का डर नहीं।

विधायक ने 5 दर्जन योजनाओं के निर्माण कार्य का किया ऑनलाइन शिलान्यास

बोकारो : विधायक बिरंची नारायण गरगा नदी पर पुल, पुस्तकालय भवन, कुपोषण केंद्र, कल्याण मंडप, रोड, नली, डीप बोरिंग, सिंचाई कूप, चापकल, चबूतरा, शेड सहित करोड़ों की लागत से लगभग 5 दर्जन योजनाओं का निर्माण कार्य का ऑनलाइन शिलान्यास किया। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि बोकारो विधानसभा क्षेत्र के एक एक गांव, शहर, विस्थापित क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य जनता की सहयोग व आशीर्वाद से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि एक एक ग्रामीण सड़को का जीर्णोद्धार के अलावा नई सड़को का निर्माण भी किया जा रहा है। कई सड़कों व पुल के निर्माण की स्वीकृति के बाद निविदा की प्रक्रिया चल रही है।काफी पुरानी मांग गरगा ,इंजरी नदी और जोड़ियां पर पुल निर्माण की थी। उसे भी पूरा कर दिया गया है।गांव गांव में चबूतरा,स्नान घाट,छठ घाट का निर्माण किया जा रहा है। चास बोकारो वासियों की मांग पर क्षेत्र की समस्या दूर करने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवाह मंडप का निर्माण बड़ी संख्या में कराया गया है।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स द्वारा एक्सपर्ट टॉक का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स द्वारा एक्सपर्ट टॉक का आयोजन सेबी के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि सेबी के सिक्योरिटी मार्केट ट्रेनर डॉ. सुजीत मुखर्जी ने वित्तीय बचत, निवेश, बैंक लोन, सिक्योरिटी मार्केट एवं म्यूचुअल फंड के विषय में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। निवेश से जुड़ी समस्याओं और उसके निराकरण में सेबी की भूमिका की भी उन्होंने चर्चा की। एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में निवेश में जागरूकता की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही निवेश के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े खतरों के प्रति आगाह किया। आज के दौर में वित्तीय घोटालों और उसके मकड़जाल में उलझती नई पीढ़ी को उन्होंने इसे निपटने के लिए वित्तीय साक्षरता की जरूरत बताई। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स के डीन डॉ. संदीप कुमार ने सेबी के विषय में उपस्थित श्रोताओं का परिचय करवाते हुए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों की जानकारी के लिए बेहतर करार दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण करण प्रताप सिंह और धन्यवाद भाषण डॉ. कुणाल सिन्हा ने दिया। इस अवसर पर डॉ.अरविंद भंडारी, डॉ. एल. जी. हनी सिंह, डॉ.अतुल करण, डॉ मुकेश कुमार सिंह, डॉ. अंजली श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और माननीय डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(प्रशिक्षण कोषांग)

विधानसभा आम चुनाव, 2024

आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सफल संपन्न कराने हेतु कोडरमा जिला अन्तर्गत सभी मतदान कर्मियों को निम्न तिथि के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाना है जिसमें सभी मतदान कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

क्र0 सं0	प्रखण्ड का नाम	तिथि	समय	स्थान
01	कोडरमा प्रखण्ड के सभी कर्मी	16.10.2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	सी0 एच0 + 2 उच्च विद्यालय, झुमरी तिलैया, कोडरमा
			12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
			3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
02	मरकच्चो प्रखण्ड के सभी कर्मी	17.10.2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
			12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
			3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
03	चन्दवारा प्रखण्ड के सभी कर्मी	18.10.2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
			12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
	सतगावाँ प्रखण्ड के सभी कर्मी		3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
04	डोमचाँच प्रखण्ड के सभी कर्मी	19.10.2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
			12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
			3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
	जयनगर प्रखण्ड के सभी कर्मी		10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
			12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
			3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	

उक्त के आलोक में सभी कार्यालय प्रधान को निदेश दिया जाता है कि अपने कार्यालय में कार्यरत कर्मियों (सरकारी/संविदा) को उक्त प्रशिक्षण में ससमय भाग लेना सुनिश्चित करायेंगे।

ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, कोडरमा

PR 339007 (Election)24-25*D

कब भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

ललित गर्ग

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए।

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार। आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादी को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है। अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

संपादकीय

ढोल में पोल न हो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधीकरण बुजुर्गों के लिए अधिक स्वास्थ्य पैकेज जोड़ने की आवश्यकता का आंकलन कर रही है। इससे तकरीबन साढेरूचार करोड़.परिवारों के छह करोड़.बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। यह आवेदन आधारित योजना है। इसके लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना पोर्टल या आयुष्मान एप पर पंजीकरण करना होगा। 70 या उससे अधिक उम्र वाला हर बुजुर्ग आयुष्मान कार्ड.प्राप्त करने व तथा विस्तारित योजना शुरू होने पर सूची वाले किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक का इलाज मुफ्त कराने के पात्र होंगे। पहली सितम्बर तक साढ़े बारह हजार से अधिक निजी अस्पतालों समेत 29,648 अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचिबद्ध किया जा चुका है। वर्तमान में दिल्ली, ओड़िशा तथा पश्चिम बंगाल को छोड़कर 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लागू किया जा रहा है। जो लोग पहले से केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं, पूर्वसैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना और आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र बल का लाभ उठा रहे हैं, वे दोनों में विकल्प चुन सकते हैं। आम जनता के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा से गंभीर रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा व आयुष्मान जैसी सुविधाओं की शुरूआत का उद्देश्य किफायती दर पर सबको इलाज मिलने की व्यवस्था उन्होंने ही दी है। हालांकि जितना इसका प्रचार किया गया, यह उतनी सफल नहीं हो पाई। खासकर देश के पिछड़े. राज्यों व इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओंको उपलब्ध कराना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि इस नई योजना के तहत अस्पतालों की संख्या काफी बढ़ाई गई है। वरना अब तक लोगों को अपने मरीज को लेकर बड़े. कस्बों या नजदीकी शहर की तरफ भागना पड़ता रहा है। दवाओं और निजी अस्पतालों के मोटे-मोटे बिलों को चुकाने लायक सामर्थ्य अभी अपने यहां बड़े. वर्ग की नहीं है। जिन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों से लेकर गंभीर रोगों का इलाज कराने के लिए परिवार का मुंह ताकना पड़ता है। इस योजना के चलते उम्मीद की जा सकती है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, जो अपने बुजुर्गों के इलाज में पैसों की कटौती करने को मजबूर है, अब उनका बेहतर इलाज करवा सकेगा। परंतु मह'वपूर्ण तथ्य याद रखना होगा कि इन अस्पतालों में दवाओं, चिकित्सकों व सहयोगी कर्मचारियों का अकाल न रहने पाए। वरना योजनाओं का लाभ बुजुर्गों को प्राप्त नहीं हो सकता।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

गुजरात हादसा : कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर

नरेन्द्र भारती

कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है बेशक प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है । केवल मात्र एक दिन बडे-बड़े सैमिनार, गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताजा हादसा 12 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ जहां काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए सभी मजदूरों के शव निकाल दिए है दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थे'मजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी'देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगे' खौफनाक मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे' 17 दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए थे' मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे' करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों को नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे' 12 तारीख को एक तरफ रविवार को दीपावली के दिन जहां पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दुःखद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग के अंदर फंस गए थे' उत्तरकाशी के सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था' देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है।हादसों को देखकर रौंगटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईंटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं।मजदूरों के पसीने से ही ईंटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे।गत वर्ष एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए।यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे ।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें।कुछ दिन पहले निमार्णाधीन यह इमारत ताश मे पतों की तरह ढह गई यहां ज्यादातर मजदूर ही रह रहे थे ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया । प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। सरकार ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती लेकिन यदि पहले ही इन लोगों पर करवाई कर ली जाए तो ऐसे हादसे रुक सकते है मगर सरकारों की तन्द्रा तो हादसे के बाद ही टूटती है। आखिर कितने हादसों के बाद प्रशासन अपनी जिम्मेवारी निभायेगा इस प्रशन का जबाब सरकार को देना होगा। इमारतो का निर्माण करने वाले ठेकेदारों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो इन हादसों के लिये प्रत्यक्ष रुप से जिम्मेवार है। जो चंद चादी के सिक्कों के की चाहत के लिए मजदूरों की जिन्दगियां ले रहे हैं ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेना चाहिए जो मानव की जान लेने से भी नहीं हिचकचाते ऐसे जल्लादों को सरेआम फांसी देनी चाहिए।

जंगली जानवर : न उजाड़ें नैसर्गिक संरचनाओं को

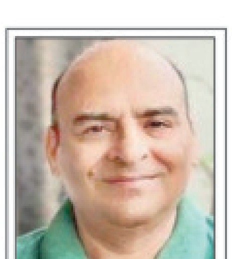

पंकज चतुर्वेदी

ऐसा कहा जाता है कि बरसात के मौसम में जंगल में मंगल होता है। घने वन झूमते हैं और हर जानवर के लिए पर्याप्त भोजन होता है, लेकिन इस बार अकेले उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के अलग-अलग हिस्सों में तेंदुए ऐसे मौसम में बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनकी भिड़ंत इंसान से हो रही है। मुरादाबाद- अमरोहा के सैकड़ों किसान तेंदुए के डर से खेत नहीं जा रहे तो लोगों ने दिन में भी जंगल या एकांत से गुजरना छोड़ दिया है। हापुड़ और मेरठ में भी घनी बस्ती में तेंदुआ पालतू जानवरों का शिकार कर चुका है। बिजनौर में तेंदुआ 25 से अधिक जान ले चुका है। पीलीभीत के आसपास एक हजार से अधिक तेंदुओं के घूमने की बात जंगल महकमा कह रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भेड़िये, सियार, कुछ जगह गुलदार और बाघ के कारण लोगों में दहशत है, लेकिन असम, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश से भी तेंदुए के गांवों तक आने की खबर को सामान्य नहीं माना जा सकता।

यह सच है कि जंगलों में बाघ की संख्या बढ़ने से तेंदुओं को पलायन करना पड़ रहा है, लेकिन बरसात में पलायन का बड़ा कारण बदलता मौसम है। तेंदुए जैसे जानवर को क्या जलवायु अपरिवर्तन से जूझने में दिक्कत हो रही है? यह सच है कि जब जंगल का जानवर बस्ती में दिखता है तो इंसान में भी ड़र की भावना आती है। एक तो समझना होगा कि तेंदुआ बस्ती की तरफ या क्यों रहा है, दूसरा यह स्वीकार करना होगा कि कोई भी जानवर इंसान पर हमला करने के लिए गांव-शहर में आता नहीं, फिर इस बात का ऐसा निदान खोजा जा सकता है कि प्रकृति की यह सुंदर देन अपने नैसर्गिक पर्यवास में निरापद रहे। चीता हमारे सामने उदाहरण है कि आजादी के बाद कैसे वह हमारे देश से लुप्त हुआ था। आज भले ही तेंदुए की संख्या पर्याप्त है, लेकिन जब उसका इंसान से टकराव बढ़ेगा तो जाहिर है कि उसके प्रजनन, भोजन, पर्यवास सभी पर कुप्रभाव पड़ेगा, खासकर जब जलवायु परिवर्तन की मार अब जानवरों पर बुरी तरह से पड़ रही है। यह बात गौर करने की है कि कुछ साल पहले तक तेंदुए के शावक जनवरी से मार्च तक दिखाई देते थे, लेकिन इस बार भारी बरसात में अर्थात जुलाई में जगह-जगह शावक दिख रहे हैं। जाहिर है कि बदलते मौसम ने तेंदुए के प्रजनन काल में बदलाव कर दिया है। हो यह रहा है कि बाघ के कारण तेंदुए जंगल छोड़ने पर जब मजबूर होते हैं तो वे बस्ती-शहर के पास डेरा डालते हैं, जहां तापमान बढ़ने का कुप्रभाव सबसे अधिक है और इस ने उनक काई मूल स्वभाव में परिवर्तन ला दिया है। घने जंगल कम होने से तेंदुए के इलाके में बाघ का कब्जा हो गया और जब पानी और घास पर जीने वाले जीव, जोकि मांसाहारी जानवरों के भोजन होते हैं, उनकी पर्याप्त संख्या होने के बावजूद तेंदुए को अधिक गरम इलाके में आना पड़ रहा है। जान लें कि जंगल का जानवर इंसान से सर्वाधिक भयभीत रहता है और वह बस्ती में तभी घुसता है जब वह पानी या भोजन की तलाश में बेहाल हो जाए। चूंकि तेंदुआ कुत्ते से लेकर मुर्गी तक को खा सकता है अतः जब एक बार लोगों की बस्ती की राह पकड़ लेता है तो सहजता से शिकार मिलने के लोभ में बार-बार यहां आता है। घने जंगल में बिल्ली मौसी के परिवार के बड़े सदस्य बाघ का कब्जा होता है और इसीलिए परिवार के छोटे सदस्य जैसे तेंदुए या गुलदार बस्ती की तरफ भागते हैं। विडंबना है कि जंगल के संरक्षक जानवर हों या फिर खेती-किसानी के सहयोगी मवेशी, उनके के लिए पानी या भोजन की कोई दूरगामी नीति नहीं है। तेंदुआ एक अच्छा शिकारी तो है ही, किसी इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र की गुणवत्ता का मानक चिह्न भी होता है। दुर्भाग्य है कि आज इसका अस्तित्व ही खतरे में है। जंगली बिल्लियों के कुनबे के मूलभूत गुणों से विपरीत इनका स्वभाव हालात के अनुसार खुद को ढाल लेने का होता है। जैसे कि ये चूहों और साही से लेकर बंदरों और कुत्तों तक किसी भी जानवर का शिकार कर सकते हैं। वे गहरे जंगलों और मानव बस्तियों के पास पनप सकते हैं। यह अनुकूलन क्षमता, इन्हें कहीं भी छिपने और इंसान के साथ जीने के काबिल बना देती है, लेकिन जब तेंदुए जंगलों के बाहर उच्च मानव घनत्व वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, तो हमें लगता है कि वे भटक गए हैं।

हम भूल जाते हैं कि यह उनका भी घर है, उतना ही हमारा भी है। तेंदुआ अपना जंगल छोड़ कर यदि लंबी यात्रा करता है तो उसका कारण भोजन के अलावा अपनी यौन क्रिया के लिए साथी तलाशना होता है। तेंदुए को यदि एक बार इंसान के खून की लत लग जाए तो यह खतरनाक होता है। जंगल का अपने एक चक्र हुआ करता था। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और उसमें बसने वाले जानवरों के प्राकृतिक पर्यवास के नष्ट होने से इंसानी दखल से दूर रहने वाले जानवर सीधे मानव के संपर्क में आ गए। यदि इंसान चाहता है कि वह तेंदुए जैसे जंगली जानवरों का निवाला ना बने तो जरूरत है कि नैसर्गिक जंगलों को छेड़ा ना जाए, जंगल में इंसानों की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगे। खासकर जंगलों में नदी-नालों को खनिज या रेत उत्सर्जन के नाम पर नैसर्गिक संरचनाओं को उजाड़ा न जाए।

एक नजर

आज धूमधाम से की जाएगी माता लखी देवी की पूजा

बरहरवा : नगर पंचायत व प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को मां लखी देवी की पूजा धूमधाम से मनायी जाएगी। इसे लेकर विभिन्न गांव मोहल्ले के पूजा कमिटी ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरहरवा नगर पंचायत के हाट पाड़ा, बंगाली पाड़ा, कुशवाहा टोला, सब्जी मंडी, छाता डंगाल, पतना तेली टोला, रेलवे कालोनी, एवं प्रखंड के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मयुरकोला, कोटालपोखर थाना रोड दुर्गा मंदिर, शांति चौक दुर्गा मंदिर, पथरिया लखी मंदिर सहित विभिन्न पूजा पंडाल में देवी मां लखी की प्रतिम स्थापित कर धुमधाम से पूजा की जाएगी। मां लखी की पूजा से जीवन में सुख समृद्धि और धन धान्य की कमी नहीं होती है। लखी पूजा को लेकर बरहरवा एवं कोटालपोखर बाजार में पूजा सामग्री और फल प्रसाद की जमकर खरीदारी हुई। इस पर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र में वातावरण उल्लास से भरा हुआ है।

पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर प्रखंड की गुलकेड़ा पंचायत के गुड़ासाई मैदान में मंगलवार सुबह बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता भूतपूर्व सैनिक सह समाजसेवी दयासागर केराई ने की। बैठक में पंचायत के विभिन्न गांव के ग्रामीण उपस्थित थे। इस दौरान ग्रामीणों ने पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ। विजय सिंह गागराई द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों की सराहना की। सामाजिक कार्यों के अलावे शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, संस्कृति के क्षेत्र में किए जा रहे बेहतर कार्य से ग्रामीण काफी प्रभावित हुए हैं। समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई का हमेशा साथ देने का निर्णय लिया है। समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई ने कहा कि जीवन में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा से हमें नई जानकारी नए कौशल व नई सोच मिलती है। स्वयं शिक्षित होने के कारण वे इन चीजों को समझते हैं और क्षेत्र भ्रमण कर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष जोर दे रहे हैं। मौके पर प्रधान जामुदा, मदन बोयपाई, राधे जामुदा, जुगसिंह बाँकिरा, रामराई बाँकिरा, रामसिंह जामुदा, रवि गोप, साधु चरण जोंको, जुरा जोंको, शाहिल बोदरा, नीमलाल कांडेयांग, सन्नी सामड, लक्ष्मण खंडाईत समेत पंचायत के विभिन्न गांव के महिला पुरुष ग्रामीण मौजूद थे।

कुकडू के बीडीओ से मिला मंच का प्रतिनिधिमंडल

चांडिल : आदिवासी भूमिज मुंडा युवा एकता मंच का एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कुकडू के बीडीओ से मुलाकात की और आदिवासी संस्कृति एवं कला केंद्र भवन निर्माण में फजीर्वाड़ा का आरोप लगाया। मंच ने कुकडू प्रखंड अंतर्गत कुकडू पंचायत के शीशी गांव में आदिवासी संस्कृति एवं कला केंद्र भवन के निर्माण के लिए स्थल चयन व आमसभा में फजीर्वाड़ा करने का आरोप लगाया। इस संबंध में बीडीओ को जिले के उपायुक्त के नाम पत्र भी सौंपा। पत्र में मंच ने लिखा है कि कुकडू पंचायत के शीशी ग्राम में आदिवासी संस्कृति एवं कला केंद्र भवन निर्माण की स्वीकृति मिली है। उक्त भवन को कब्जा करने की नीयत से कुछ लोग फर्जी आमसभा कर फर्जी लाभुक समिति का चयन करने के बाद गलत स्थल चयन किया है। नियमानुसार ग्रामसभा की बैठक कर लाभुक समिति व निर्माण स्थल का चयन करने का प्रावधान है। लेकिन दुर्भाग्यवश सारी वैधानिक प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए पंचायत सचिव, मुखिया, ग्राम प्रधान एवं बिचौलियों की मिलीभगत से फर्जी ग्राम सभा कर लाभुक समिति व स्थल का चयन किया गया है। जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। बीडीओ से मिलने वालों में मंच के मुख्य संयोजक भक्त रंजन भूमिज, अध्यक्ष अमर सिंह सरदार, कोषाध्यक्ष चंदन सिंह सरदार, भोला सिंह मुंडा समेत कई लोग शामिल थे।

एसपी ने विधानसभा एवं पर्व को लेकर की बैठक

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की है जरूरत : एसपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सीसीटीएनएस कक्ष में मंगलवार को विधानसभा को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की। विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में विशेष दिशा निर्देश देते हुए जिला के बॉर्डर एरिया पर वाहन जांच करने के साथ-साथ अपराधियों के गिरफ्तारी एवं संदिग्ध लोगों पर पैनी पहली नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई का आदेश दिया। विधानसभा एवं पर्व को लेकर एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। एसपी ने दीपावली, काली पूजा व छठ पर्व को लेकर भीड़ से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने, बैकअप प्लान तैयार करने, पूजा समितियों सदस्यों की सूची तैयार करने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला गाना नहीं बजाना सुनिश्चित कराने, पूजा पंडाल के इर्दगिर्द नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश दिया। कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें। गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें। चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें। हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें। चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें। उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने का निर्देश दिया। उन्होंने जेल से छूटने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में उनकी समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने एवं त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके में सदर एसडीपीओ, बरहरवा एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक सह नगर थाना प्रभारी अमित कुमार, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी, मुफ्फसिल थाना प्रभारी, बोरियो थाना प्रभारी सहित जिले के अन्य थाना प्रभारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार लगा कर आम लोगों की सुनी समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

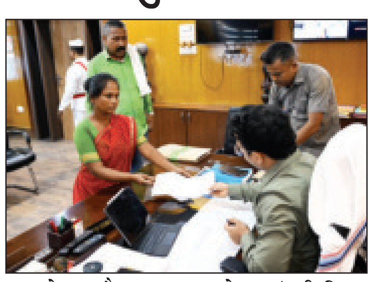

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी- सह- उपायुक्त हेमंत सती ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगा कर के आम जनों की समस्याओं से अवगत हुए। जिसमें जिले के दूरदराज के गांव से लोगों ने आकर अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन के माध्यम से उपायुक्त के समक्ष अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की। इस दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों के शिकायतों को बारी-बारी से सुना। आवेदन विशेष कर जमीन विवाद, जाति प्रमाण पत्र, अबुआ आवास, राशनकार्ड से संबंधित थी। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को शिकायतों के निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त ने कहां की जिला प्रशासन जनता दरबार के माध्यम से दूरदराज के इलाकों से आए हुए ऐसे लोग जिन्हें सरकारी योजना से संबंधित किसी प्रकार की समस्या आ रही है, या वह किसी सरकारी लाभ से वंचित रहे हैं उनके समस्याओं के निष्पादन के लिए जिला प्रशासन सदैव तत्पर है। जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया।

जनता की सेवा ही मेरी पहली प्राथमिकता : अकिल अख्तर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अखिल अख्तर ने कहा है कि आम जनता की सेवा तथा सहयोग ही मेरी पहली प्राथमिकता है। यह बातें उन्होंने आम जनता को संबोधित करते हुए बरहरवा प्रखंड के मिल्लत उच्च विद्यालय प्रांगण में कही। अख्तर ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे कार्यकाल में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में मैंने आम जनता के सहयोग के लिए चापानल, कुआं, विद्यालय भवन, मदरसा की भवन, पुल, पुलिया तथा ग्रामीण सड़कों से लेकर गुमानी नदी का कटाव रोधी कार्य से लेकर हर गांव के गली मोहल्ले में अनगिनत विकास का कार्य किया था। मेरे विकास कार्य को देखकर आज भी मेरे प्रतिद्वंदी दांतों तले उंगली चीबा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मैं जिस किसी भी पार्टी से संभावित चुनाव लड़ूंगा पर हमेशा आप लोगों के बीच रहकर आपकी सेवा एवं सहयोग में अपनी जीवन न्योछावर करूंगा। उसने वर्तमान विधायक आलमगीर आलम पर कटाक्ष करते हुए बताया कि विधायक आलम ने दीर्घ 20 साल के कार्यकाल में सिर्फ जनता के साथ छलावा किया है उसी का नतीजा है कि आज पाकुड़ विधानसभा में आम जनता बदलाव चाहती हैं। इस दौरान मंच पर उनके पुत्र अफिफ अमसल, मनोहर चौहान, बरहन मौलवी फारूक हसन, मुसवर शेख के अलावे काफी संख्या में उनके समर्थक गण उपस्थित थे।

पदाधिकारी की चेतावनी के बावजूद पत्थर लदे ट्रकों का हो रहा परिचालन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : अंचल अधिकारी बरहरवा रामजी वर्मा के सख्त चेतावनी के बावजूद भी बरहरवा फरक्का मुख्य पथ पर स्थित मिजार्पुर फुटानीमोड़ चेक नाका से होकर मंगलवार को 9:00 बजे दिन से लेकर शाम 4 बजे तक अवैध तरीके से पत्थर लदे ट्रकों का परिचालन होने का समाचार प्रकाश में आया है। चेक नाका के आसपास के लोगों ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि, अंचल अधिकारी बरहरवा रामजी वर्मा सोमवार की रात करीब 10 से 11:00 बजे अचानक चेक नाका पहुंचे थे,इस दौरान उन्होंने वहां पर प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी को बगैर माइनिंग चालान के पत्थर चिप्स से लदे ट्रकों का परिचालन को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया था। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने ट्रकों का परिचालन से संबंधित माइनिंग चालान एवं दंडाधिकारियों के ड्यूटी से संबंधित अभिलेखों का भी बारीकी से निरीक्षण किया था, पर चेक नाका पर तैनात दंडाधिकारी ने अंचल अधिकारी के आदेश को नजरअंदाज कर मंगलवार को सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 4:00 बजे तक बगैर माइनिंग के ट्रकों का परिचालन होने दिया। सूत्र बताते हैं कि, मंगलवार को दिनभर जिस ट्रकों का परिचालन हुआ उसमें से अधिकांश ट्रक में माइनिंग चालान नहीं था। यदि चेक नाका पर लगे सीसी कैमरे तथा चेक नाका में एंट्री की गई चालान की मिलान की जाएगी तो आसानी से धोखाधड़ी पकड़ी जा सकती है। इस संबंध में प्रशासन का पक्ष जानने के लिए जब अंचल अधिकारी बरहरवा से मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किए जाने के कारण यहां पर उसका पक्ष नहीं रखा जा सका।

तेज रफ्तार हाइवा ने एक वृद्ध व्यक्ति को मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के लोहंडा स्थित प्रेमनगर में साहिबगंज-गोविंदपुर हाइवे सड़क पर मंगलवार की अहले सुबह करीब 6:45 बजे एक तेज रफ़्तार हाइवा ने कहर बरपाया है। तेज रफ़्तार हाइवा के चपेट में आने से वृद्ध व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक योगेंद्र रविदास 67 वर्षीय शहर के सकरूगढ़ स्थित चैती दुर्गा के रहने वाले है। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बांस बल्ला लगाकर व टायर जलाकर मुख्य सड़क जाम कर दिया है। वहीं जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने हाइवा को जब्त कर लिया है। हाइवा साहिबगंज से बरहेट की ओर जा रही थी। मृतक के बड़े पुत्र मनीष कुमार रविदास ने बताया कि सुबह पांच बजे उनके पिता रोज की तरह साइकिल से पूजा के लिए फूल तोड़ने लोहंडा गए थे। लौटने के क्रम में बोरियो की तरफ जा रही तेज रफ़्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इधर, सड़क जाम को हटाने के लिए नगर थाना प्रभारी सह नगर इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पंकज दूबे, एसआई लव कुमार सदर बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझा कर सड़क जाम को हटाया है।

भारत के 11वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : भारत के 11वे राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस पर पटमदा स्थित राज्य संपोषित +2 उच्च विद्यालय, पटमदा में कार्यक्रम आयोजित कर डॉ कलाम के उपलब्धियों व उनके आदर्शों से बच्चों को जागरूक किया गया। सुबह प्रार्थना सत्र के दौरान डॉ कलाम के तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बाल संसद के बच्चों ने बारी बारी से डॉ कलाम के प्रेरक कथनों को सुनाया। वही शिक्षकों ने प्रेरक कथनों के पीछे की समूची कहानी से बच्चों को अवगत करवाया। इस दौरान डॉ कलाम के प्रेरक कथनों - अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो। इससे पहले कि सपने सच हों आपको सपने देखने होंगे।अगर हमें अपने सफलता के रास्ते पर निराशा हाथ लगती है इसका मतलब यह नहीं है कि हम कोशिश करना छोड़ दें, हर निराशा और असफलता के पीछे ही सफलता छिपी होती इत्यादि जैसे दर्जनों कथनों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानाध्यापक डॉ मिथिलेश कुमार व निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने डॉ कलाम के रामेश्वरम में जन्म लेने, कठिनाइयों से जूझते हुए अपनी पढ़ाई पूरी करने, भारतीय सेना में नियुक्ति ना होने, फिर डीआरडीओ, इसरो से जुड़ अनुसंधान करने, मिसाइल बनाने, अंतरिक्ष में उपलब्धियों, भारत को परमाणु शक्ति बनाने, भारत के राष्ट्रपति बनने की कहानी, युवाओं को प्रेरित करने की कहानी विस्तार से सुनाई। इस दौरान डॉ कलाम से जुड़े कई प्रसंगो को बच्चों के साथ साझा किया गया। डॉ कलाम ने विजन 2020 के माध्यम से भारत को विकसित बनाने का सपना देखा था, जिसे हम सभी बच्चों व बड़ों को मिलकर साकार करना है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इप्टा की अर्पिता के नेतृत्व में लिटिल इप्टा के बच्चों की प्रस्तुति रही, लिटिल इप्टा के नन्हें कलाकार नम्रता, वर्षा, सुरभि, श्रवण, सुजल, दिव्या ने भारत मां की आंख के तारे..., किताबें करती है बातें..., ढाई आखर प्रेम के पढ़ ले जरा... व अन्य गीत गाकर बच्चों व शिक्षकों का मन मोह लिया।डॉ कलाम के जन्मदिवस पर विद्यालय परिसर में डॉ कलाम के प्रेरक प्रसंगो व कथनों के पोस्टर्स की गैलरी का शुभारंभ किया गया, जिससे बच्चे प्रेरित हो सकेंगे। पोस्टर्स का निर्माण भी लिटिल इप्टा के नन्हें कलाकारों के द्वारा किया गया था। नन्हें रचनाकार रीडिंग क्लब में नन्हें रचनाकार बच्चों ने भी डॉ कलाम के जीवन से जुड़ी कहानियों पर विस्तार से पाठ करते हुए चर्चा की। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के बच्चों व शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

श्री सिंह राज बाबू दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा कुंदन नाइट का किया गया आयोजन

ईचागढ़ : सरायकेला खरसावां जिला के कुकरू प्रखंड के ईचाडीह टोला बाबूडीह में श्री श्री सिंह राज बाबु दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा कुंदन नाइट का आयोजन किया गया। राज परिवार के कल्याण चंद्र सिंह के द्वारा कुकरू प्रखंड के पत्रकार बंधुओ को शाल उड़ाकर सम्मानित किया गया। उसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पुरुलिया के फेमस सिंगर कुंदन कुमार व कनिका कर्मकार स्टेज शो का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य रूप से विधायक सविता महतो, समाजसेवी सुखराम हेंब्रम, आजसू पार्टी के केन्द्रीय महासचिव हरे लाल महतो,सारथी महतो, सुनील महतो आदि गणमान्य लोग उपस्थित हुए एवं श्री श्री सिंह राज दुर्गा पूजा पंडाल में मां से आशीर्वाद लिया। कुंदन कुमार नाइट का विनोद राय, अशोक साव एवं डॉक्टर के सी सिंह राज के द्वारा उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। वहीं राज परिवार के सदस्य कल्याण चंद्र सिंह ने सभी लोगों को विजयदशमी की शुभकामना देते हुए कहा कि मां दुर्गा देवी क्षेत्र का कल्याण करे और हमारी आपसी प्यार व सद्भावना बना रहे। उन्होंने कहा कि संस्कृति की पहचान को बचाए रखना हम सबों का दायित्व है। मौके पर सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

साहिबगंज : जिला अंतर्गत तालझारी थाना क्षेत्र के कारगिल चौक के सामने मंगलवार को पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज एवं हवलदार रामजीत यादव पुलिस जवान ने संयुक्त रूप से दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहन जांच के लिए बारी–बारी से रोका। जांच अभियान के दौरान विशेष रूप से हेलमेट एवं सामान की जांच की गई। वहीं थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने सभी मोटरसाइकिल चालको को हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने को कहा एवं चार पहिया चालक को सीट बेल्ट लगाकर चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट पहनकर एवं सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने के दौरान दुर्घटना में लोगों की जान चली जाती है इसीलिए सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें।

महिला किसान दिवस का हुआ आयोजन

साहिबगंज : जिला कृषि पदाधिकारी –सह– परियोजना निदेशक, आत्मा, साहेबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर महिला किसान दिवस का आयोजन आत्मा सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य भूमिका में डा० माया कुमारी, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, साहेबगंज के द्वारा महिलाओं को आत्म निर्भर होने तथा वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित किया। जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कृषि अभियंता, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी, सहायक मिट्टी रसायनज्ञ के द्वारा विभाग में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ ही मीना जोसेफ किस्कू, प्रगतिशील मशरूम उत्पादक महिला किसान के द्वारा उपस्थित महिलाओं को मशरूम उत्पादन के बारे में जानकारी दी गयी।शिवांगी मिश्रा, बिरसा कृषक पाठशाला, राजमहल के द्वारा महिला किसानों को राजकुमारी देवी, मुजफ्फरपुर की महिला किसान जिसको ह्लचाची किसानह्व के नाम से बिहार में प्रचलित है उसकी कहानी महिलाओं के बीच साझा की, ताकि महिलाएं प्रेरित हो सके एवं खेती किसानी में आत्मनिर्भर बन सकें। महिला किसान दिवस के अवसर पर अन्य महिलाओं ने अपनी बातें साझा की। इस अवसर पर महिला कृषको के बीच नेपसेक स्प्रेयर (05), सरसों बीज (05 पैकेट) एवं मदीना आजीविका सखी मंडल, बोरियो को आत्मा योजना अंतर्गत सीड मनी के रूप में 10,000/– रू० का चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, सहायक मिट्टी रसायनज्ञ अभिजित शर्मा, उप परियोजना निदेशक मन्टू कुमार, एवं सभी आत्मा कर्मी के साथ साथ सैकड़ों महिला कृषक उपस्थित हुई।

आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

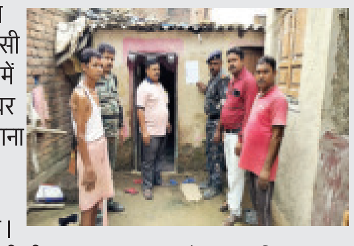

पटमदा : कमलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर गांव निवासी करीब 8 साल पुराने मामले में फरार प्रकाश कुंभकार के घर में मंगलवार को कमलपुर थाना के सहायक अवर निरीक्षक कपिल देव महतो ने ग्रामीणों के समक्ष इश्तेहार चिपकाया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी दीपक कुमार ठाकुर ने बताया कि कमलपुर थाना कांड संख्या 10 / 16 के नामजद आरोपी प्रकाश कुंभकार घटना के बाद से ही फरार चल रहा है। तीन बार नोटिस जारी होने के बाद भी कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ है। मंगलवार को कोर्ट से निर्गत इश्तेहार को चिपकाते हुए अविलंब कोर्ट में सरेंडर करने को कहा गया। इस दौरान ग्राम प्रधान संदीप मिश्रा, संजय प्रमाणिक, चित्तरंजन कुंभकार व सशत्र बल शामिल थे।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे अधिकारी

साहिबगंज : उपायुक्त– सह– जिला निर्वाचन पदाधिकारी हेमंत सती के अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में विधानसभा आम चुनाव– 2024 के तिथि की घोषणा की तैयारी एवं आदर्श आचार संहिता के प्रभाव की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालीया, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल कपिल कुमार, एवं जिला के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पर्ल ग्रुप की पोंजी स्कैम के निवेशकों के चेहरे पर खुशी आई

▶▶ ईडी ने निवेशकों की रकम वापस करने का अभियान शुरू किया है ▶▶ यह पोंजी स्कैम करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी। 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम अवैध रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में श्वष्ठ ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

कई राज्यों में हुई तलाशी

पिछले हफ्ते ईडी ने इस राशि का पता लगाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तराखंड में 44 स्थानों पर तलाशी ली। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक श्वष्ठ ने गुरुग्राम में स्क्र ग्रुप के प्रोजेक्ट स्क्र पर्ल, स्क्र सिटी, स्क्र प्राइम के घर खरीदारों को पहले लॉट में 78 फ्लैट लौटाना शुरू कर दिया है, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

बेहतर वित्तीय यात्रा के लिए दिवाली से लें सीख, निवेश को अनुष्ठान की तरह आदत बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल देशभर में हर किसी को सबसे बड़े त्योहार दिवाली का इंतजार रहता है। यह एक ऐसा अवसर होता है, जो लोगों को इसके लिए महीनों पहले से तैयारी करने पर मजबूर कर देता है। रोशनी का त्योहार समृद्धि के बारे में तो है ही, यह कुछ वित्तीय सबक लेने का अवसर भी है। अधिकांश घर दिवाली से ठीक पहले सफाई में लग जाते हैं, कई लोग इसे रंगवाने के अलावा मरम्मत भी कराते हैं। दिवाली की तैयारी बिल्कुल वैसे ही की जाती है, जैसे आप पर्सनल फाइनेंस के लिए करते हैं। बचत या निवेश के बारे में सोचने से पहले आप यह सोचें कि अपने फाइनेंस से भविष्य में क्या उम्मीद करते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के लिए अपने वित्तीय लक्ष्य बनाएं। इनमें कम और लंबे समय के लक्ष्य शामिल होने चाहिए। अल्पावधि में नए साल की छुट्टियों की योजना और सेवानिवृत्ति व लंबी अवधि में कर्ज मुक्त होने जैसी चीजें शामिल होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि हर लक्ष्य से मेल खाने के लिए स्पष्ट समय और राशि आपके पास है। यदि आपके पास बचत है तो यह बैंक और अन्य प्रकार के जमा में होनी चाहिए। निवेश भी विभिन्न प्रकार के साधनों में होना चाहिए। इनमें म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि पैसे को ऐसे साधनों में लगाए हैं जो आपके निवेश उद्देश्य के साथ आपके द्वारा उठाए जा सकने वाले जोखिम से मेल खाते हों। दिवाली का एक पहलू लक्ष्मी पूजा है। इस पर अक्सर कम चर्चा होती है, लेकिन हर कोई समृद्धि के लिए इसका पालन करता है। पूजा के लिए शाम का समय होता है जिसका पालन किया जाता है और जो सही समय पर ही होता है। आप भी सही समय का इंतजार करें।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ ट्राई की कार्रवाई, कीमतों में कटौती से सब्सिडी पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है।

कीमत में कटौती- ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के तहत एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच मॉडल की कीमत 74,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दी है।

एआरएआई की चिंता- एआरएआई ने ओला को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में मूल्य में कटौती के बारे में सूचित न किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस तरह की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी पाने की पात्रता को प्रभावित कर सकती है।

ओला ने एआरएआई को अपने मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपए बताई है, जिसके आधार पर 10,000 रुपए की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है।

यदि कीमत 49,999 रुपए कर दी जाती है, तो सब्सिडी घटकर 7,500 रुपए रह जाएगी, क्योंकि 15 फीसदी की सीमा कम एक्स-फैक्टरी कीमत पर लागू होती है।

लाखों का पैकेज छोड़ा, मॉडलिंग... फिर शुरू किया देसी काम, अब करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली- बिहार की आस्था सिंह ने 18 लाख की नौकरी छोड़कर किसानों की जिंदगी बदलने का बीड़ा उठाया है। मॉडलिंग को अलविदा कहकर उन्होंने ग्रामश्री किसान नाम से अपना कारोबार शुरू किया। यह आज 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच गया है। आस्था बिहार के किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आस्था सिंह पटना की रहने वाली हैं। उनकी शादी साल 2010 में हुई थी। पति विवेक कुमार रेलवे में इंजीनियर हैं। 12वीं के बाद से ही आस्था ने पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। पुणे से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एमबीए किया। इसके बाद कई नामी कंपनियों में काम किया। ओयो में सिटी हेड के पद पर रहते हुए उन्हें 18 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता था। इससे पहले आस्था भारती इंफ्राटेल लिमिटेड में एनर्जी मैनेजर और टाटा टेलीसर्विसेज में इंजीनियर रह चुकी थीं। साल 2019 में उन्होंने बिहार सरकार के पशु और मत्स्य संसाधन विभाग में प्रोजेक्ट यूनिट कंसल्टेंट का पद संभाला।

मुंबई में फोटोशूट के बाद आस्था का चयन मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए भी हुआ। लेकिन, परिवार की रजामंदी न मिलने के कारण आस्था फिलीपींस नहीं जा सकीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। फरि आस्था ने किसानों की जिंदगी बदलने का दृढ़ निश्चय किया। जून 2019 में उन्होंने ग्रामश्री किसान की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। यहां खेती-बाड़ी और पशुपालन से जुड़े वीडियो अपलोड किए। साल 2020 में उनका मोबाइल एप लॉन्च हुआ। 2021 में पटना में ग्रामश्री किसान का पहला सेंटर खोला गया। आज ग्रामश्री किसान के बिहार के 26 ब्लॉक में सेंटर हैं। इससे 6 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हुए हैं। पटना स्थित ग्रामश्री किसान का सेंटर 3 एकड़ में फैला हुआ है। यहां किसानों को बकरी, गाय, मुर्गी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने और आने-जाने की सुविधा मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा, किसानों को पशुओं का चारा, दाना और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद की जाती है। ग्रामश्री किसान के पोल्ट्री फार्म में 1000 मुर्गियां हैं, जबकि शुरुआत सिर्फ 100 मुर्गियों से हुई थी। इसी तरह, 2 गायों से शुरू हुआ आस्था का डेयरी फार्म आज 10 गायों वाला बन चुका है। आस्था के सेंटर में 50 बकरियां भी हैं। ग्रामश्री किसान को भारत और बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उन्होंने अपनी 27 लाख रुपये की जमा पूंजी लगाई थी। उनकी पार्टनर फर्म ने 30 लाख रुपये का निवेश किया। इसके अलावा, बिहार सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपये और भारत सरकार से 24 लाख रुपये की ग्रांट मिली।

11 साल में तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गया अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीवन के आधुनिक होने के बीच लोगों की भागदौड़ भी बढ़ गई है। इस बीच घरों में प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का दिनचर्या में कैसे घुसपैठ हो गई है, इसका पता ही नहीं चला है। यदि आप भी इसके आदि हैं, तो इससे तौबा कर लें। क्योंकि इससे न सिर्फ आपके घर का बजट बिगड़ रहा है बल्कि आपको खतरनाक बीमारियों के बीच भी धकेल रहा है। अभी एक रिपोर्ट आई है कि डायबिटीज के लगातार बढ़ते मामलों कसा सीधा संबंध अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से है। लेकिन इसका बाजार है कि बढ़ ही रहा है। साल 2022 में तो इसका बाजार बढ़ कर 2500 करोड़ रुपये के पार चला गया है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंसेज एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि डीप फ्राई, बेक्ड और ग्रिल किए गए अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजीई) से भरपूर होते हैं। यह सूजन का कारण बनते हैं और डायबिटीज सहित कई बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने खबर दी है कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या 101 मिलियन है। साथ ही 5 से 19 वर्ष की आयु के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्री-डायबिटिक हैं। इनमें से अधिकतर का कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है।

भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2011 में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 अरब रुपये का था। यह 2016 में करीब दूना होकर 1,488 करोड़ रुपये का हो गया। साल 2021 में तो यह बार तीन गुने से भी ज्यादा बढ़ कर 2,535 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस साल कुल प्रोसेस्ड फूड का बाजार तो बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये के भी पार चला गया। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को कई श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। इसमें चॉकलेट और शुगर कंफेक्शनरी, साल्टी स्नैक्स, बीवरेजेज, रेडीमेड और कंवीनिएंस फूड्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स शामिल हैं। देखा जाए तो इस समय भारतीय परिवारों में व्हाइट ब्रेड, स्वीटेंड ब्रेकफास्ट सीरियल्स, फ्रोजन फूड, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड पोटेटो चिप्स, सोडा, फ्लेवर्ड कैंडी बार, ब्लेंडेड कॉफी ड्रिंक, फ्रायड चिकन, मेस्ड पोटैटो फ्लेक्स आदि का सेवन खूब बढ़ रहा है। ये सभी अल्ट्रा प्रोसेड फूड ही हैं। डॉ. मोहन बताते हैं जब हम खाद्य पदार्थों को तलते या ग्रिल करते हैं तो इससे ऑक्सीडेटिव पैदा होता है जो सूजन को बढ़ावा देता है। शरीर में पुरानी सूजन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर से जुड़ी होती है। अत्यधिक ट्रांस वसा वाले फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

टमाटर, प्याज और आलू ने बिगाड़ा बजट, आसमान पर पहुंची कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि खत्म होने के बाद भी टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में कमी नहीं आई है। इन्होंने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में जहां आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है तो वहीं टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो पार पहुंच गई है। प्याज के दाम भी 60 रुपये किलो पर हैं। ऐसे में इन तीनों सब्जियों ने ही देश की महंगाई को प्रभावित कर दिया है।

टमाटर, प्याज और आलू की वजह से महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। नीति निर्माताओं के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ाई महंगाई एक चुनौती रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 45.9 प्रतिशत। बता दें कि आपूर्ति संबंधी झटके समग्र खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। हाल के महीनों में टीओपी की कीमतों में काफी उछाल आया है। खुदरा खाद्य और पेय पदार्थों में टीओपी की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत और ओवरऑल सीपीआई में 2.2 प्रतिशत है, लेकिन उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

इनकी कीमतें बढ़ने के कई कारण हैं। पहला मौसम, भंडारण की समस्याएं और तीसरा आपूर्ति संबंधी समस्याएं। कई बार मौमस की मार के कारण इनकी फसल प्रभावित होती है। इससे ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर की कमी और दूसरे कारण से इनका भंडारण सही नहीं हो पाता। ऐसे में ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं फसल होने के बाद इनकी आपूर्ति को लेकर भी कई बार समस्याएं होती हैं।

सप्लाई चेन का बड़ा असर

इन सब्जियों की सप्लाई चेन में गड़बड़ी भी कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। स्टडी में पता चला है कि जिस मौसम में इनकी पैदावार कम होती है, उस समय इनकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं जिस मौसम में पैदावार ज्यादा होती है, उस समय कीमत कम होती है। कई बार किसानों को अपनी फसल फेंकनी भी पड़ जाती है क्योंकि इन्हें खरीदने वाला कोई नहीं होता। उतार-चढ़ाव वाली मांग-आपूर्ति के कारण भी कीमतों पर असर पड़ता है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि टमाटर, प्याज और आलू के प्रोडक्शन में तेजी से वृद्धि हुई है। साल 2022-23 में टमाटर का प्रोडक्शन 20.4 मिलियन मीट्रिक टन , प्याज का प्रोडक्शन 30.2 एमएमटी और आलू का प्रोडक्शन 60.1 एमएमटी होने का अनुमान है। भारत अब दुनिया में टमाटर और आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसने दुनिया में प्याज के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है और 2022 में वैश्विक उत्पादन में 28.6 प्रतिशत का योगदान दिया है।

क्या अब कीमत कम होगी

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक अगले कुछ दिनों में टमाटर की कीमत कम हो सकती है। 100 रुपये किलो पार कर चुका टमाटर 50 से 60 रुपये प्रति किलो पर आ सकता है। वहीं प्याज और आलू की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका कारण है कि बाजार में आलू और टमाटर की नई फसल आनी शुरू होगी।

करन जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी लेगी रिलायंस

मुंबई एजेंसी। दोस्ताना, अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी...। ये कुछ फिल्में हैं, जिनमें एक समानता है। ये फिल्में एक ही प्रोडक्शन हाउस ने बनाई है। यह है धर्मा प्रोडक्शंस। अब खबर आई है कि देश के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीद सकती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। माना जा रहा है कि इस सौदे से ऑयल से लेकर टेलीकॉम सेक्टर में कारोबार करने वाली इस कंपनी की भारतीय कंटेंट प्रोडक्शन इंडस्ट्री में स्थिति मजबूत होगी। इस सौदे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

करन जौहर कोशिश में हैं

इस रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर पिछले कुछ समय से धर्मा में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के कारण यह सौदा हो नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मा में 90.7 प्रतिशत हिस्सेदारी करण जौहर और 9.24 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी मां हीरू की है। इसने अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी समेत कई लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि हिंदी फिल्म उद्योग के सामने इस समय व्यापक वित्तीय चुनौतियां हैं। फिल्मों का प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ रहा है। थिएटर में दर्शकों की संख्या लगातार घट ही रही है। ऊपर से ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी कारण उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। अतीत में, रिलायंस ने बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी हासिल की थी। धर्मा के साथ भी इसी तरह की व्यवस्था की जा सकती है। संभावित हिस्सेदारी खरीद से रिलायंस के कंटेंट प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वर्तमान में जियो स्टूडियो, वायकॉम 18 स्टूडियो, कोलोसियम मीडिया और बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी शामिल है। इस बारे में रिलायंस और धर्मा ने श्वक्ष के सवालों का जवाब नहीं दिया है। पहले बताया गया था कि धर्मा बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के लिए उद्यमी संजीव गोयनका द्वारा समर्थित सारेगामा के साथ बातचीत कर रही है। 8 अक्टूबर को बीएसई फाइलिंग में सारेगामा ने कहा कि उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण अपडेट नहीं है।

क्या है धर्मा की आमदनी

धर्मा प्रोडक्शंस ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 276 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,040 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि, कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, टॉफ्लर से प्राप्त 1,028 करोड़ रुपये के खर्च के कारण शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत गिरकर 11 करोड़ रुपये रह गया।

अस्पताल में इलाज कराना अब और महंगा हुआ

ऑपरेशन के लिए सर्ज प्राइस के नाम पर काटी जा रही जेब

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कोई शख्स किसी अस्पताल में इलाज कराने जा रहा है तो उसे आम दिनों के मुकाबले ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। दरअसल, काफी अस्पताल मरीजों से सर्ज प्राइस ले रहे हैं। अगर उस अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हैं तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। यह ठीक इस प्रकार है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है।

हवाई जहाज में जैसे-जैसे पैसेंजर की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यात्रा से एक महीने या इससे पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है। अगर आपको कल ही जाना है तो टिकट महंगी हो जाएगी। क्योंकि फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बढ़ रही होगी। यही तरीका अस्पताल अपना रहे हैं। इस तरीके से मरीजों के साथ बीमा कंपनियों को भी परेशानी हो रही है।

हेल्थ सेक्टर में एक नया चलन देखने को मिल रहा है। अगर किसी मरीज का कोई ऑपरेशन होना है और ऑपरेशन थिएटर उस समय लगभग भरे हुए हैं तो अस्पताल ऑपरेशन थिएटर के लिए पीक चार्ज या सर्ज चार्ज (एक्स्ट्रा चार्ज) ले रहे हैं।

जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरेंगे, सर्च चार्ज बढ़ता जाएगा। इससे इलाज में अतिरिक्त खर्च आ रहा है। इससे मरीजों और इंश्योरेंस कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बीमा कंपनियों जो पहले पूर्वानुमानित लागतों के साथ व्यापक पैकेज पेश करती थीं, अब अनबंडलिंग की पेशकश कर रही हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें महंगाई की दर सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है। वहीं अस्पताल के ऐसे नए नियम इस इलाज को और महंगा बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए नियमों के कारण इलाज के खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि रुटीन प्रोसिजर जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमीज भी अब अस्पतालों के नए नियमों में जुड़ गए हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है।

टीका-टोपी को टकराने सीमांचल आ रहे गिरिराज

AIMIM प्रदेश अध्यक्ष बोले- मुस्लिम आंखों में खटकते हैं; पूर्व मंत्री ने बताया देश का दुश्मन

किशनगंज। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 18 अक्टूबर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा करने वाले हैं। उनकी यात्रा से पहले बिहार की सियासत गरमाई हुई है। पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने गिरिराज सिंह की यात्रा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये लोग देश के दुश्मन हैं, जो समाज को बांटना और तोड़ने का काम करना चाहते हैं। वहीं यात्रा के दौरान 22 अक्टूबर को गिरिराज सिंह किशनगंज पहुंचेंगे। यहां उनकी यात्रा का पहला फेज खत्म होगा। गिरिराज सिंह की यात्रा को लेकर AIMIM प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि ये टीका-टोपी को टकराने आ रहे हैं। भाजपा का जनाधार गिर रहा है और इसीलिए फिर से सिर्फ नफरत की सौदागरी करने आ रहे है। अख्तरुल ईमान ने कहा कि वो केंद्रीय कपड़ा मंत्री है। उन्होंने बताना चाहिए कि आज तक सीमांचल के लिए उन्होंने क्या किया है।अख्तरुल ईमान ने कहा कि सीमांचल में टीका और टोपी को टकराने की बात केंद्रीय मंत्री करेंगे। यहां कि मस्जिद, मुसलमानों की आबादी उनको खटकेगी और यहां के हिंदू और मुसलमानों में जो प्रेम है, वो उन्हें खटकेगा। क्योंकि ये नफरत के सौदागर है। जबकि, यह अमन पसंद इलाका है। एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने गिरिराज सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं। आज तक सीमांचल के लिए उन्होंने क्या किया है, बताना चाहिए। वो फिर से सिर्फ नफरत की सौदागरी करने आ रहे हैं और

सीमांचल में टीका और टोपी को टकराने की बात करेंगे। यहां की मस्जिद, मुसलमानों की आबादी उनको खटकेगी और यहां के हिंदू और मुसलमानों में जो प्रेम है वो उन्हें खटकेगा। किशनगंज को अमन पसंद है

गिरिराज सिंह को नफरत का सौदागर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह अमन पसंद इलाका है। किशनगंज के हिंदू और मुसलमानो ने कभी यहां के सौहार्द का सौदा नहीं होने दिया। यहां हिंदू मुसलमानों के बीच जितना सौहार्द है, वो पूरे देश को नसीब नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले जब उनका दौरा किशनगंज में हुआ था, तब उन्हें यहां की गरीबी, यहां का भाई चारा नजर नहीं आया, बल्कि यहां के मस्जिद और दाढ़ी टोपी में उन्हें पाकिस्तान नजर आता है।पूर्व शिक्षा मंत्री चद्रशेखर ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की यात्रा पर कहा कि ये लोग बस समाज को बांटना और तोड़ने का काम करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी जीभ की कीमत लगाने वालों पर भी निशाना साधा। चंद्रशेखर ने कहा कि पाखंडवादी लोग भगवान की दुकान सजाकर उल्लू सीधा करते हैं। यह लोग भगवान के संदेश का अपमान करते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ मेरी लड़ाई है। संप्रदाय और नफरतवाद इन लोगों के संस्कार में है। ये देश के दुश्मन हैं। चंद्रशेखर नालंदा में राजद के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे।

उसी दौरान उन्होंने यह बातें कही। 18 अक्टूबर से शुरू होगी गिरिराज सिंह की यात्रा गिरिराज सिंह 18 अक्टूबर से 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' का पहला चरण भागलपुर से शुरू कर रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य हिंदू समुदाय को एकजुट करना बताया जा रहा है,

जिसका विषय है- 'संगठित हिंदू - सुरक्षित हिंदू', इसमें हिंदुओं की एकजुटता पर जोर दिया गया है।

छुट्टी नहीं दी तो सीओ की गाड़ी में लगाई आग

नालंदा। के कतरीसराय उड धीरज प्रकाश की कार में आग लगाने वाले की पहचान हो गई है। सीओ की कार में आग उन्हीं के अंडर में काम करने वाले राजस्व कर्मचारी ने लगाई थी। छुट्टी नहीं मिलने और काम का दबाव ज्यादा होने की वजह से उन्होंने उड के निजी वाहन को आग के हवाले कर दिया। घटना 13 अक्टूबर यानी की शनिवार की रात करीब 1.30 बजे की है। गाड़ी सीओ के सरकारी आवास के बाहर खड़ी थी। स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थी। वीडियो-फुटेज के आधार पर हुई कार्रवाई

राजगीर के DSP सुनील कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल ने वीडियो-फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य और डॉग स्क्वायड की मदद से मामले की गहनता से जांच की। जांच के दौरान पता चला कि यह काम किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि एक राजस्व कर्मचारी ने किया था जो वर्तमान में प्रभारी अंचल निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि 'गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से जहानाबाद के काको थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्तमान में वह कतरीसराय अंचल में राजस्व कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। सबक सिखाने के लिए कार में लगाई आग पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने यह कदम काम के दबाव और छुट्टी न मिलने के कारण उठाया है। उसने स्वीकार किया कि सीओ से हुई नोकझोंक के बाद उसने सबक सिखाने के लिए यह कदम उठाया था। फिलहाल, गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। इस मामले में एक बोलेरो गाड़ी और दो मोबाइल भी जब्त किया गया हैं। छापेमारी टीम में थाना अध्यक्ष कतरीसराय सत्यम तिवारी, दरोगा शैलेंद्र कुमार सिंह, प्रशिक्षु दरोगा आदित्य कुमार, जमादार मनीष कुमार, संजय दास और कतरीसराय थाना के सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।सीओ धीरज प्रकाश ने बताया कि यह एक बेहद गंभीर मामला है। मेरी निजी गाड़ी पिछले चार दिनों से सरकारी आवास के बाहर खड़ी थी। यदि स्थानीय लोगों की तत्परता नहीं होती, तो वह घटना और भी भयावह रूप ले सकती थी। घटना स्थानीय थाना से महज 200 फीट की दूरी पर हुई।

एक-एक पाई जोड़कर घर बनाया, गंगा में समा गया

भागलपुर। में बाढ़ के कारण गंगा नदी के आस पास के कई इलाकों के लोग बेघर हो चुके हैं। सिर्फ सबौर प्रखंड के मसाढू गांव में 300 से अधिक परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। 2 सितंबर से कटाव शुरू हो गया था। पिछले 45 दिनों में 70 से अधिक आशियाना गंगा में समा गए। 6 बीघा जमीन कटाव की वजह खत्म हो गई। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ बताई जा रही है। बाढ़ का पानी कम हो गया है। लेकिन, गांव में गंगा का कटाव अभी भी जारी है। इस वजह से हर परिवार की आंखों में आंसू है।बाढ़ पीड़ित पिंकी देवी ने बताया कि 'एक-एक पाई जोड़ कर घर बनाए, जो एक मिनट में गंगा में समा गया। अब न रहने के लिए घर है और न खाने के लिए अनाज। इसके बावजूद सरकार की ओर से

कोई मदद करने नहीं पहुंचा है।'कटाव के कारण सबसे पहले गंगा नदी के किनारे बसे घर प्रभावित हुए। धीरे-धीरे तबाही का मंजर ऐसा बना कि 70 से अधिक परिवारों को 7 करोड़ का नुकसान हो गया। लेकिन, इन पीड़ित परिवारों को मुआवजे के रूप में एक रुपए की मदद नहीं मिली है। 42 परिवारों ने अब तक आवेदन दिया है, लेकिन मुआवजा किसी को नहीं मिली है।बाढ़ की वजह से आज भी कुछ लोग सड़क पर रहने को मजबूर हैं। वहीं, कुछ लोग अपने रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं। बाढ़ पीड़ित सिकंदर मंडल ने 'रविवार को उट नवल किशोर चौधरी निरीक्षण करने पहुंचे थे। लेकिन, मसाढू गांव में नहीं आकर छायाचक गांव चले गए। जहां अभी ही कटाव की शुरूआत हुई है।' मसाढू गांव के रहने वाले पीड़ित आर्यन ने बताया कि 'गंगा में घर के समा जाने से रहने की ही दिक्कत नहीं है, बल्कि खाने-पीने में भी परेशानी हो रही है। जिंदगी भर की कमाई चंद सेकेंड में आंखों के सामने बह गया। हर घंटे गिर रहे थे घर बाढ़ का कहर इस तरह था कि हर घंटे घर गंगा में समा रहे थे। जल मीनार, स्कूल और शौचालय से लेकर 2 मंजिला मकान गंगा में पल भर में समा गए। सब कुछ बर्बाद होता देख ग्रामीणों में जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश भी था। आंखों में आंसू भी थे। लेकिन, ग्रामीण किसी को कुछ कह नहीं पा रहे थे। ग्रामीण सिकंदर मंडल ने बताया कि 'जल संसाधन विभाग की तरफ से कटाव रोधी कार्य किया गया, जो नाकाफी था। जल संसाधन विभाग ने इस पर 20 लाख से अधिक रुपए खर्च भी किए। लेकिन, एक इंच जमीन नहीं बच पाई।'

4 बच्चों के साथ मां ने खाया जहर, दो गंभीर

मधेपुरा। में सोमवार को एक महिला ने चार बच्चों के साथ जहर खा लिया। परिजनों ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई हैं। मामला मुरलीगंज थाना क्षेत्र के पड़वा नवटोल का है। बताया जा रहा है कि शैलेंद्र राम की पत्नी सीमा देवी पारिवारिक कलह से परेशान होकर पहले अपने चार बच्चे प्रिया कुमारी (7), पल्लवी कुमारी (5), दिव्यांशु कुमार (4) और आयांश कुमार (3) को कीटनाशक खिला दिया। इसके बाद खुद भी जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर आसपास के लोगों ने पांचों को मुरलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सदर अस्पताल से भी जन नायक कपूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पति से हुआ था विवाद पति शैलेन्द्र राम ने बताया कि मामूली बात को लेकर सोमवार को पत्नी से विवाद हुआ था। झगड़ा के बाद हम शौच के लिए खेत की ओर चले गए थे। घर पर पत्नी सीमा देवी (30) ने 4 बच्चों के साथ खुद भी कीटनाशक खा लिया। जिसमें से दो बच्चे की स्थिति गंभीर है। सदर अस्पताल के डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया कि 'मुरलीगंज सीएचसी से पांचों मरीज आए थे। महिला और चार बच्चों का लगभग एक घंटे तक इलाज किया गया, लेकिन स्टेबल नहीं होने के कारण सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया है। चारों बच्चों को एक एम्बुलेंस और महिला को दूसरे एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। मारपीट कर घर से भगाने का किया प्रयास सीमा देवी ने बताया कि पति शैलेन्द्र राम मेरे साथ अक्सर मारपीट करते थे। बच्चों के साथ भी मारपीट करता था। सभी को घर से भागने के लिए कहता था। इसी से परेशान होकर जहर खा लिया और बच्चों को भी जहर खिला दिया। अवैध-संबंध को लेकर हुआ था विवाद वहीं, महिला की रिश्तेदार समसी देवी ने बताया कि सीमा देवी का गांव के एक युवक (राजकुमार) से अवैध संबंध था। इसी बात को लेकर पति से विवाद हुआ था। जिसके बाद सीमा देवी ने अपने बच्चों संग कीटनाशक खा लिया। आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई मुरलीगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। सभी का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को अभी लिखित में कोई जानकारी नहीं मिली है।

संक्षिप्त डायरी

सड़क हादसे में साले की मौत, जीजा जख्मी

नालंदा। में सोमवार की शाम बिहार शरीफ परवलपुर मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बेलदारी गांव की समीप की है।मृतक की पहचान परवलपुर थाना क्षेत्र के ढिबरी पर गांव निवासी टमाटर राम के (30) वर्षीय पुत्र सत्येंद्र कुमार उर्फ कैला के रूप में की गई है। जबकि जख्मी की पहचान सोहसराय थाना क्षेत्र के सोहसराय निवासी स्वर्गीय राजकुमार प्रसाद के बेटे दीपक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में साला-बहनोई लगते हैं। मृतक के परिजन ने बताया उन्हें पुलिस से सूचना प्राप्त हुई कि सत्येंद्र कुमार व दीपक कुमार सड़क हादसे में घायल हो गया है। सूचना मिलने के बाद जब सदर अस्पताल पहुंचा तो देखा कि सत्येंद्र कुमार की मौत हो चुकी है। जबकि दीपक इलाजरत है। दोनों साला बहनोई परवलपुर से डेकोरेशन का काम खत्म कर बिहार शरीफ लौट रहे थे। इसी बीच सड़क हादसे का शिकार हो गए।नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने सत्येंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि दीपक इलाजरत है। प्रथम दृष्टिया जांच में यह बात सामने आई है कि गाड़ी ब्रेकर पर अनियंत्रित हो गई। जिसके कारण बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिनमें एक की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

नालंदा। के बिंद थाना क्षेत्र के अमावां गांव में एक मजदूर की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से सोमवार की शाम मौत हो गई। मृतक की पहचान शेखपुरा जिला के कोरमा थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव निवासी स्व. पदारथ राम के (28) वर्षीय पुत्र बिपिन कुमार उर्फ बिपिन राम के रूप में हुई है। देर शाम परिजन शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे।बिपिन पिछले 12 साल से अपने ससुराल सारे थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में मजदूरी करते थे। दुर्गा पूजा के दौरान वह अमावां गांव में टेंट लगाने का काम कर रहा था। बीते शनिवार को दुर्गा पूजा का मेला समाप्त होने के बाद बिपिन सोमवार शाम को पीपल के पेड़ पर चढ़कर टेंट खोल रहा था, तभी वह हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।स्वजन और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को रखकर सड़क जाम किया। यातायात बाधित हो गया।पुलिस के आने के बाद मामला शांत हुआ घटना की सूचना मिलते ही बिन्द थानाध्यक्ष रौशन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के स्वजनों को समझा-बुझाकर यातायात सेवा बहाल की। अमावां पंचायत के मुखिया प्रशांत कुमार उर्फ राजा बाबू भी घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। पत्नी दौलती देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक अपने पीछे 3 साल का बेटा और एक वर्ष की पुत्री को छोड़ गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कमरे से छात्र का जला शव मिला

पटना। के पीरबहोर थाना क्षेत्र में एक घर कमरे से छात्र का जला हुआ शव मिला है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के लिए FSL टीम भी पहुंची हैं। पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। मृतक की पहचान मयंक कुमार उर्फ रौनक के तौर पर हुई है। 1 माह पहले बीएड में एडमिशन लिया था। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी कर रहा था। घटना बाकरगंज इलेक्ट्रोनिक गली की है। मेरे भाई ने उसे गोद लिया था मृतक के चाचा ने बताया कि सुबह 8 बजे के करीब पास के एक लड़के ने बताया कि आपके घर से धुआं निकल रहा है। मैं ऊपर के कमरे में गया, जिसमें रौनक रहता था। गेट अंदर से बंद था। दरवाजे के दरार से हल्की धुआं बाहर निकल रही थी। आसपास के लोगों ने गेट तोड़ा।

रोड़ेबाजी में तीन पुलिसकर्मी हुए घायल

भोजपुर। जिले के धोबहां थाना क्षेत्र के सलेमपुर बंगला के समीप में सोमवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान जाति सूचक गाना बजाने को लेकर दो गुटों के बीच रोड़ेबाजी हुई। जिसमें होमगार्ड जवान और तीन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इसके अलावा पुलिस की प्राइवेट गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में होमगार्ड जवान धारीक्षण दुबे के 55 वर्षीय बेटे सियाराम दुबे, स्व. प्रभाहंस सिंह के 54 वर्षीय बेटे योगेंद्र सिंह और उदय पासवान के 24 वर्षीय बेटे व सिपाही रोहित कुमार शामिल हैं। वह तीनों धोबहा थाना में कार्यरत हैं। इधर होमगार्ड जवान सियाराम दुबे ने बताया कि वे लोग मूर्ति विसर्जन के दौरान ड्यूटी पर थे। तभी जाति सूचक गाना बजा दिया गया। जिसको लेकर दूसरे पक्ष के लोग भड़क उठे और उनके बीच पहले धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद रोड़ेबाजी हुई। जब पुलिस ने उन्हें मना किया तो पुलिस पर भी रोड़ेबाजी कर दी गई। धोबहा थानाध्यक्ष संजीव कुमार अतिरिक्त पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मामले को शांत कराया। वहीं, दूसरी और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह लोगों को हिरासत में भी लिया है। हालांकि इसकी अधिकारी पुष्टि नहीं हो पाई है।

पोती बोली-बाबा, पापा ने मम्मी का गला काट दिया

मोतिहारी। में पति ने अपनी पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी। उसके बाद वह लाश के पास ही बैठा रहा। आरोपी पति के पिता ने बताया कि सुबह का समय था। पोती मेरे पास आई और बोली कि पापा ने मम्मी का गला काट दिया है, जल्दी चलिए। मैं दौड़कर गया तो बहू लहूलुहान होकर तड़प रही थी, बगल में मेरा बेटा बैठा था। उसकी आंखों में एक बूंद आंसू नहीं थे।ये घटना 10 अक्टूबर की सुबह 7.30 बजे स्थान लखोरा थाना क्षेत्र का झीटकहिया गांव में हुई थी। महिला का नाम संजू देवी था। उसकी पति संतोष सहनी से 15 साल पहले शादी हुई थी। पुलिस ने फिलहाल पति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का कारण अवैध संबंध बताया गया है। मामले की पड़ताल करने भास्कर रिपोर्टर आरोपी पति संतोष सहनी के घर पहुंचे जहां कई कहानियां निकलकर सामने आई। संतोष के घर में उसके माता-पिता और बच्चे थे। घटना के संबंध में उनसे बातचीत करने की

कोशिश की गई तो मृतक महिला की सास ने कैमरे पर कुछ भी बोलने से इनकार दिया। फिर संतोष के पिता ने ऑफ कैमरा घटना का भयानक मंजर बताया। बेटे का पूरा हाथ खून से सना था संतोष के पिता रमेश सहनी ने बताया कि उनके चार बेटा हैं, जिसमें संतोष सबसे बड़ा था। इसलिए उसे सबसे पीछे वाला घर मिला था। मेरी पत्नी नवरात्र करती है, उसे 10 अक्टूबर की सुबह मंदिर छोड़कर मैं आया और बांध पर खड़ा था। अचानक मेरी बड़ी पोती दौड़कर आई और बोली कि बाबा पापा मम्मी का गला काट दिए हैं, जब मैं दौड़ कर गया तो वह हाथ में दबिया लेकर बैठा था। मेरी बहू संजू तड़प रही थी। हम डर गए कि कहीं इस हत्या का आरोप हम पर न लग जाए। मैंने तुरंत मुखिया जी, बहू के मायके वाले सहित अन्य को फोन कर बताया और बेटे को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बहू की मौत पर सभी रो रहे थे, लेकिन मेरे लड़के की आंख से एक बूंद पानी नहीं आया।पिता ने बताया कि पिछले कुछ दिन से संतोष मानसिक रूप से बीमार था। हमने कई ओझा गुनी से दिखाया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। हमें क्या पता था कि इस तरह की घटना कर देगा, उसे तीन बेटी और तीन बेटा है, जिसकी उम्र एक से 10 साल के बीच है। संतोष बोला- पत्नी का दूसरे से था संबंध जब पुलिस ने संतोष सहनी को पकड़ कर पूछताछ शुरू की तो उसने अपने कबूले बयान में बताया कि मैंने पत्नी की हत्या की है। हमें इस बात का शक था कि मेरी पत्नी का किसी के साथ अबैध संबंध है, यह शक उस वक्त हकीकत में बदल गया, जब पटना से वह दुर्गा पूजा में घर आने के लिए मना की। फिर भी मैं घर आया, रात में सौ गया, जब दो बजे रात में मेरी नींद खुली। तो मेरी पत्नी संजू बेड पर नहीं थी, सुबह वह घर आई तो मैं पूछा कि कहां थी। उसने कहा कि दो दिन बाद हम दूसरी शादी कर लेंगे। इसी बात पर मेरे सिर पर गुस्सा सवार हो गया। वहीं पास में दबिया रखा हुआ था, उससे उसका गला काट दिया।मृतक संजू दो समूह से लोन ली थी, जिसका अमाउंट करीब दो लाख था। इसके अलावा संतोष सहनी ने बाइक का लोन लिया था, साथ ही गांव के भी कुछ लोगों से पैसे लिए थे, जिसको लेकर दबाव में था। मेरा बिजनेस नहीं चल रहा था, इसी वजह से पटना जाकर काम कर रहा था। बता दें कि संतोष सहनी मछली का व्यवसाय करता था। काम नहीं सही चल रहा था जिसकी वजह से पटना के मछली बाजार में काम कर रहा था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मामले में एफएसएल की टीम को जांच के लिए भेजा गया है। परिजन ने संतोष के दिमागी संतुलन ठीक नहीं होने की बात बताई है, इसकी भी जांच की जाएगी। वहीं, इस मामले में साइकोलॉजिस्ट डॉ मुकेश कुमार ने भी अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि कभी कभी ऐसा होता है कुछ लोगों के बारे में सबको पता होता है कि हां इसका मानसिक संतुलन खराब है। लेकिन अब हर कोई ऐसा कहे कि वो नशा करता था, उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए–पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई–न–कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफलेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी–बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे–धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत–लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'

यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें।

उन्होंने कहा, 'तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।' रोहित ने कहा, 'उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है।

अश्विन ने वीडियो में कहा, 'देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है।'

पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

बाबर , शाहीन का मजाक बना रहे पाक प्रशंसक

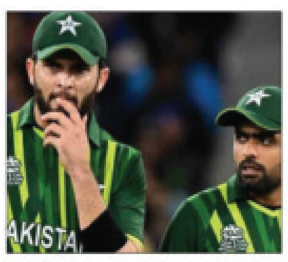

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में आजकल उथल पुथल मची हुई है। टीम की बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार से दिग्गज और प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसी को देखते हुए चयन समिति के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तक को बाहर कर दिया गया है। बाबर के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी बाहर होना पड़ा है। कुल मिलाकर 4 प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। वहीं इस कारण कई नये खिलाड़ियों को अवसर मिले हैं। अब लोग अनुभवी खिलाड़ियों का मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि ये शायद मोहल्ले में बच्चों के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' अब ये लोग मोहल्लों के बच्चों के के साथ खेलेंगे। ' वहीं एक अन्य यूजर ने तंज कसा कि दिलों का दर्द कम हो जाता अगर जिम्बाब्वे के साथ एक दो सीरीज हो जाती।'एक अन्य यूजर ने लिखा, पाक क्रिकेट बर्बाद हो रहा है तो तीसरे ने लिखा, इन सबको निकालकर जो बदलाव होगा वह कितना सफल रहेगा। इसी कई लोग हैं जो इन खिलाड़ियों के बाहर किए जाने से नाराज जिकि कई तो बोर्ड पर भड़के हुए हैं। इन लोगों का कहना है कि इससे टीम बेहतर नहीं होगी।

बाहर किये गये खिलाड़ियों का हाल में प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं पीसीबी चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा कि हमने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और सरफराज अहमद और नसीम शाह को आराम दिया है जिससे ये तरोताजा हो सकें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम जीत की लय बरकारार रखने उतरेगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलवा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरी में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। इसके अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं है। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में है जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट, 53 रनों की है जरुरत

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिय अफीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के हैं कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वही सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवंगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था। तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं. जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी. जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे। चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होनें टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है. यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था. इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

एचआईएल 2024: भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा।

सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आईं। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बीडिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

एचआईएल नीलामी : के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

न्यूजीलैंड को झटका , सियर्स भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

-अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी शामिल

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने में चोट के कारण सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को टीम में जगह दी गयी है। सियर्स को श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के लिए ट्रेनिंग के दौरान बाएं घुटने में दर्द उठा था। इसके लिए पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में उनका स्कैन भी हुआ था। इसी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, सियर्स के स्कैन में मेनिस्कस में चोट पाये जाने के बाद वह भारत दौरे पर नहीं भेजे गये हैं। पहले उम्मीद थी कि वह ठीक हो जाएंगे पर चिकित्सा सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किये जाने पर फैसला हुआ है। वहीं मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, इस क्रिकेटर का बाहर होना निराशाजनक है। सियर्स ने घरेलू मैदान पर गर्मियों के दौरान अपने टेस्ट करियर की अच्छी शुरुआत की और एक वास्तविक तेज गेंदबाजी विकल्प दिया है। अब यह देखना बाकी है कि वह कब वापसी कर पाते हैं। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। डफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए छह एकदिवसीय और 14 टी20 मैच खेले हैं और अभी उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट है। स्टीड ने कहा, सियर्स की जगह शामिल डफी के लिए यह अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। हमें तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, इसलिए उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का अच्छा अवसर है। काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेलने के जैकब के हालिया अनुभव ने निश्चित रूप से उनकी जगह पक्की कर दी है। टीम के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा है और हमें विश्वास है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वे योगदान दे पाएंगे।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयीं थीं। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयीं। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थीं। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता. यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल देखाकर 9 रन से जीत दर्ज की. भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

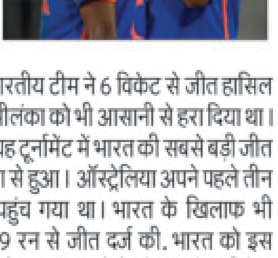

मिताली राज का टीम इंडिया पर बड़ा हमला- 3 साल में कोई सुधार नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पिछले 3 वर्षों में खेल के विभिन्न विभागों में सुधार करने में विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह पहली बार है कि भारत आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। इससे टीम का विश्व कप खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया। इसके साथ ही कप्तान के रूप में उनके भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लग गए।

बहरहाल, मिताली ने कहा कि टीम के पतन का कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाने में विफल रहने के साथ बल्लेबाजी में स्पष्टता की कमी और खराब क्षेत्ररक्षण था। भारत की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने इस बात को साबित किया कि इस टीम ने पिछले तीन साल में कोई सुधार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात करूं तो यह जीतने लायक मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी परिपाटी का पालन कर रहे हैं जिसमें मैच को आखिरी ओवरों तक ले जाकर हार का सामना करना शामिल है। यह रणनीति कारगर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले दो-तीन वर्षों में मैंने वास्तव में इस टीम में कोई विकास नहीं देखा है। मेरा मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के लिए आप हमेशा तैयारी करते हैं। ऐसा लगता है कि हम अन्य टीमों को हरा रहे हैं और हम इससे काफी खुश हैं। मिताली ने कहा कि इस टूर्नामेंट में हर दूसरी टीम ने सीमित गहराई के बावजूद विकास दिखाया है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को अनुकूल परिस्थितियों में मिली हार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ियों ने धीमी विकेटों से सामंजस्य बैठाने में समय लिया जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ऐसा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि 'हैरानी की बात यह है कि हमें विकेट की धीमी गति से तालमेल बैठाने में समय लगा। वनडे विश्व कप के विपरीत यह एक छोटा टूर्नामेंट है। आपके पास परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हमारे खिलाफ इतने रन बनाने में सक्षम थी और वह धीमी पिचों पर खेलने की आदी नहीं है।

गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गई थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भारतीय नौसेना ने बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

रांची : भारतीय नौसेना के नागरिक कर्मियों को जीवन बीमा से संबंधित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के लिए भारतीय नौसेना ने देश की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 08 अक्टूबर 2024 को किए गए इस समझौता ज्ञापन के तहत बजाज आलियांज लाइफ किफायती दरों पर व्यापक कवरेज सुनिश्चित करते हुए विभिन्न प्रकार के जीवन बीमा प्रॉडक्ट उपलब्ध कराएगा। 'नौसेना नागरिकों के वर्ष' के तहत आयोजित गतिविधियों के एक भाग के रूप में इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने बजाज आलियांज लाइफ द्वारा प्रस्तुत उन जीवन बीमा समाधानों की सराहना की, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय नौसेना के नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओतरुण चुघ ने कहा, बजाज आलियांज लाइफ में हम सभी के लिए यह वास्तव में गर्व का क्षण है कि हमें भारतीय नौसेना के कर्मियों को जीवन बीमा सेवाएँ प्रदान करने का अवसर मिला है। भारतीय नौसेना के 2024 – नौसेना नागरिकों के वर्ष के अनुरूप – हम नौसेना नागरिकों के लिए अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। मेरा मानना है कि यह जीवन बीमा के लाभों को और अधिक भारतीयों तक पहुँचाने और हमारे देश के भीतर बीमा पैठ की खाई को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम भारतीय नौसेना को केवल सबसे प्रभावी और सहज–सरल समाधान प्रदान करें। इस भागीदारी के तहत बजाज आलियांज लाइफ जीवन बीमा से संबंधित विभिन्न प्रॉडक्ट उपलब्ध करा रहा है। ये ऐसे प्रॉडक्ट हैं, जो भारतीय नौसेना से जुड़े नागरिकों के विभिन्न जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिहाज से बहुत उपयोगी हैं। भारतीय नौसेना के नागरिक कर्मियों को उनके जीवन लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए टर्म इंश्योरेंस और पर्याप्त जीवन बीमा कवरेज के महत्व को समझने में मदद करने के लिए शैक्षिक सेमिनार और सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। कंपनी नौसेना के नागरिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाली अनूठी प्रक्रियाओं को भी पेश करेगी।

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की

पटना : बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने जीवन बीमा योजनाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ दो नए प्लान्स : आई–गारंटी विश्वास, गारंटीड लाभ वाली एक बचत बीमा प्लान, और आई–इन्वेस्ट II, एक यूनिट–लिंक्ड बीमा प्लान की पेशकश के साथ हुआ। अक्टूबर 2024 से ये प्लान्स बिहार और झारखंड में बंधन बैंक की 181 शाखाओं पर उपलब्ध होंगे। बंधन बैंक के मौजूदा ग्राहक कुछ ही मिनटों में पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं यदि वे बीमा की शर्तों को पूरा करते हैं तो। आने वाले सप्ताहों में कई नए प्लान्स जैसे 'शुभ समृद्धि' और अन्य बचत प्लान्स को शामिल किए जाने के साथ प्लान्स के पोर्टफोलियो का और भी विस्तार किया जायेगा। वर्ष 2024 के अंत तक बंधन लाइफ की सभी जीवन बीमा प्लान्स की एक व्यापक श्रेणी पूरे देश में उपलब्ध होगी, जिससे भारत के लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के बंधन के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को बल प्राप्त होगा। बंधन लाइफ आई–गारंटी विश्वास उभरते हुए नए भारत के ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करता है। भुगतान किए गए प्रीमियम का 10 गुना जितना जीवन कवर और गारंटीड लाभ के साथ, यह प्लान पॉलिसीधारकों को अपने जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्य, जैसे कि बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसे जुटाना, घर के लिए डाउन पेमेंट करना या छुट्टियों पर जाने की तैयारी करना आदि को पूरा करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। मैच्योरिटी पर गारंटीड लाभ की सुविधा से बंधन लाइफ आई–गारंटी विश्वास मध्यम–आय वाले परिवारों के लिए अधिक फायदेमंद हो जाता है।

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

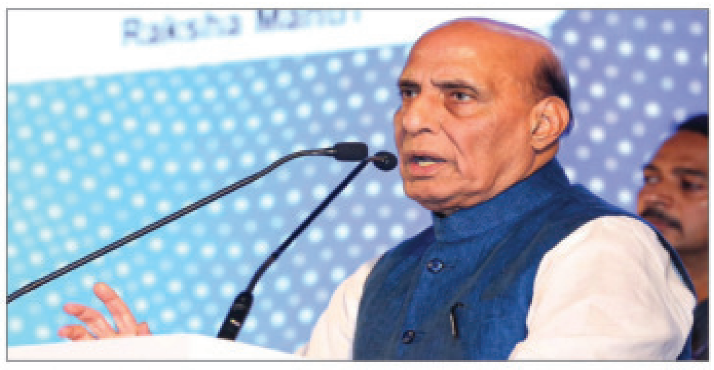

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूं। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नजर में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मज़बूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियों का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

-बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत्?याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एव?शन से दूर रहेगा, जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर–उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फड़णवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी

एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

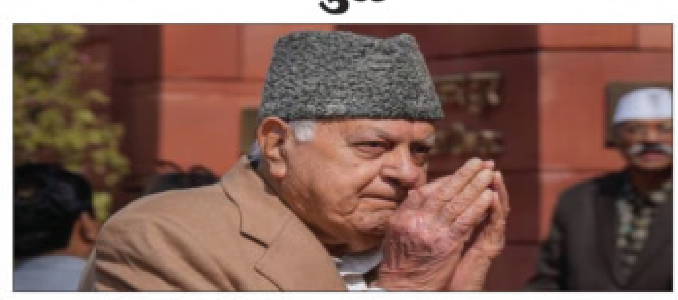

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक से मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय हैं। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें

अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में ही पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुई और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की

संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**